स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 3 ✦ 25 सितम्बर 2019 ✦ वर्ष 8 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

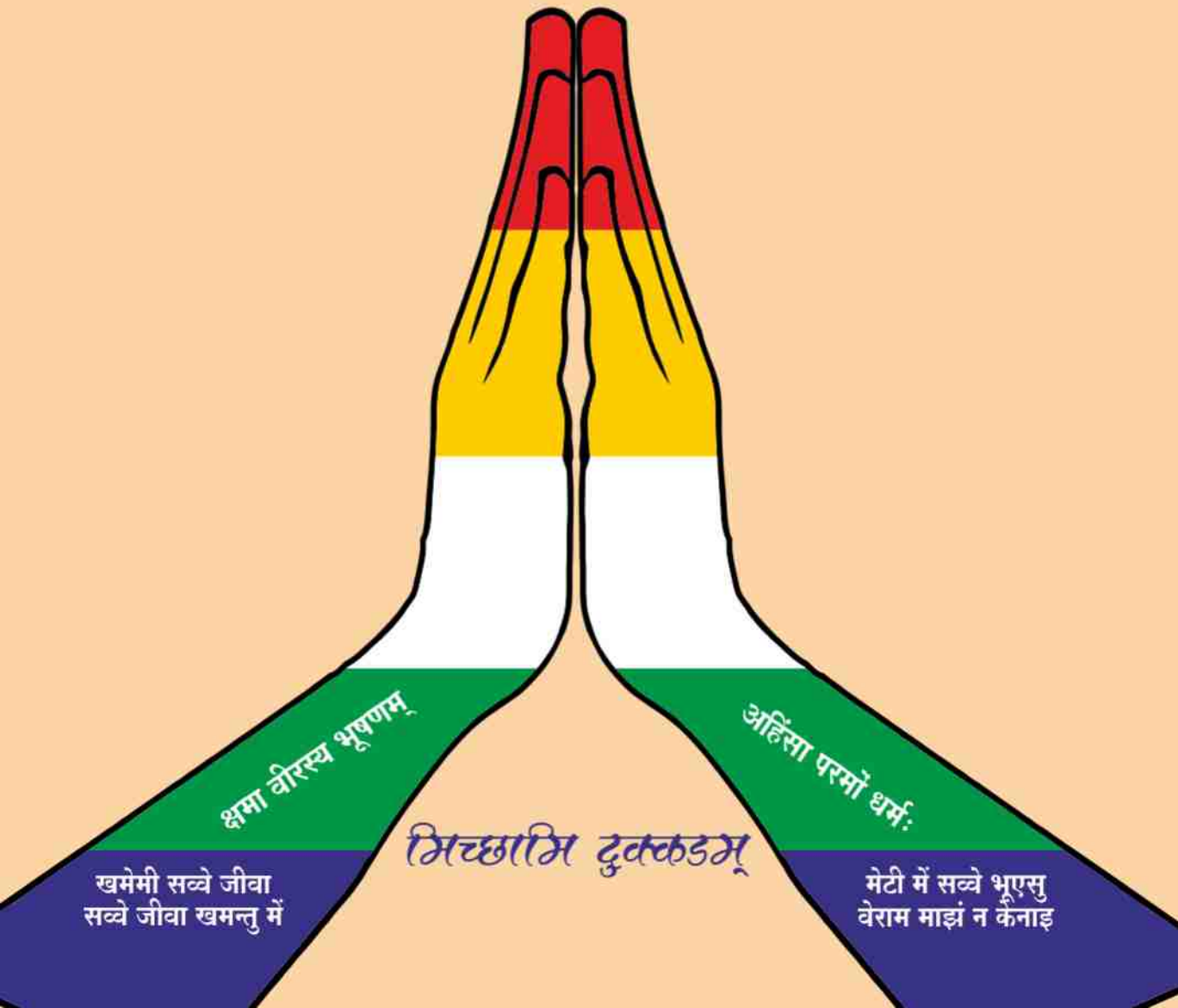

स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त 1927 – 31 अगस्त 2016)

जैन समाज के लिये आपका योगदान एवं समाज को एक सूत्र में बांधे रखने का अन्तिम सन्देश सदैव स्मरणीय रहेगा।

आपका प्रेरणामय जीवन हमारे लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा।

MARSON'S

ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

समस्त परिवारीजन
स्टाफ एवं कर्मचारीगण

MARSON'S ELECTRICAL INDUSTRIES

(Prop. MEI Power Pvt. Ltd.)

www.marsonselectricals.com • E-mail : info@marsonselectricals.com
1/189, Delhi Gate, Civil Lines, Agra-282002 (India)
Ph : +91-562-2520027, 2850812 • Fax : +91-562-2851306

Works :
Mathura Road, Artoni, Agra - 282007 (India)
Ph : +91-2641448, 2642327-28 • Fax : +91-562-2641435

TRANSFORMERS EXPORTED TO OVER 15 COUNTRIES

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

मूल्य ₹ 5/-

अंक 3 ✦ 25 सितम्बर 2019 ✦ वर्ष 8

कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

अध्यक्ष की कलम से....

आदरणीय बहिनों एवं भाईयों
सादर जयजिनेन्द्र

जैसा कि आपको विदित है, अ.भा. पल्लीवाल जैन महासभा का गठन वर्ष 1969 में हुआ था। महासभा के संस्थापक अध्यक्ष स्व. डॉ किशनचन्द जी जैन एवं महामंत्री डॉ. क्रांतिकुमार जी जैन थे जिन्होंने पूरे भारत में भ्रमण कर शाखाओं का गठन करवाया तथा समाज को ग्राम स्तर पर जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया। तत्पश्चात अध्यक्ष एवं महामंत्री निर्वाचित होते रहे तथा सबने अपना योगदान संस्था को क्रियाशील रखने एवं नई दिशा देने में दिया। महासभा के **''स्वर्ण जयंती वर्ष''** के अवसर पर मैं महासभा के सभी पूर्व पदाधिकारियों को नमन करता हूं।

समय के साथ स्थितियां बदलती रहती हैं, वही संस्था जिन्दा रह पाती हैं जो समयानुसार नये कार्य हाथ में लें। इसी कड़ी में महासभा ने पूर्व में चलाये जा रहे कार्यक्रमों के अतिरिक्त युवाओं को समाज से जोड़ने हेतु कई कार्यक्रम हाथ में लिये हैं। प्रमुख रूप से डॉक्टर्स फोरम, इंजीनियर्स फोरम का गठन तथा युवाओं के लिए खेल-कूद कैरियर काउन्सलिंग तथा युवाओं के रोजगार मेला आदि का आयोजन किया जाना इसी दिशा में एक कदम है।

पचास वर्षों की इस यात्रा को देखे तो कुछ चिन्ताजनक पहलू भी सामने आते हैं जिनमें प्रमुख अधिकतर शखाओं का सशक्त नहीं होना। कई शाखाओं में वर्षों तक चुनाव नहीं कराये जाते हैं तथा कई जगह चुनाव होने के बाद भी गुटबाजी बनी रहती हैं। निर्वाचित पदाधिकारी एवं सदस्य शाखा में दलगत राजनीति की भांति व्यवहार करते हैं तथा अच्छे कार्यों का भी विरोध के लिये विरोध किया जाता है। ऐसे कार्यकलापों से आम लोगों का विशेष रूप से युवा वर्ग का संस्था से मोहभंग होता है।

बन्धुओं हमें सोचना चाहिए कि महासभा का उद्देश्य क्या है।

अध्यक्ष की कलम से....

पदाधिकारियों को, चाहे वे केन्द्रीय कार्यकारिणी के हो अथवा शाखा के, न तो कोई वेतन मिलता है और न ही कोई भत्ता। उन्हें संस्था के लिये समय भी देना पड़ता है और जेब से कुछ खर्च भी करना पड़ता है। स्वाभाविक है कि चुनाव के दौरान पैनल बनते हैं और सभी अपने–अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हैं। लेकिन चुनाव के बाद तो निर्वाचित प्रतिनिधियों को पक्ष–विपक्ष की तरह नहीं बल्कि एकजुट होकर समाज हित में काम करना चाहिये। मेरा निवेदन है तथा विश्वास है कि सभी पदाधिकारी/समाज बन्धु इस ओर जरूर सोंचे।

शाखायें/महिला सदस्यों/युवक मण्डलों में से कुछ ही सक्रिय नजर आते हैं। अगर कोई सूचना महासभा की ओर से प्रेषित की जाती है तो सदस्यों तक वह पहुंच ही नहीं पाती। उदाहरणार्थ ''पल्लीवाल निर्देशिका'', ''डॉक्टर्स फोरम'', ''इंजीनियर्स फोरम'' सम्बंधित फॉर्म ज्यादातर शाखाओं से प्राप्त नहीं हुए हैं। हां कुछ शाखाओं/व्यक्तियों ने इस दिशा में अच्छा काम किया है। मैं अपेक्षा करता हूं कि इस सम्बंध में महासभा को अपेक्षित सहयोग शाखाओं से अवश्य मिलेगा।

सभी शाखाओं/मण्डलों से निवेदन है कि **'स्वर्ण जयन्ती वर्ष'** में कुछ नवीन रुचिकर कार्य हाथ में लेने तथा विवरण पत्रिका में प्रकाशनार्थ अवश्य दें। महासभा के क्षेत्रीय संगठन मंत्रियों से अपेक्षा है कि अपने क्षेत्र में भ्रमण कर नई शाखाओं का गठन करावें तथा यदि समय पर किसी शाखा के चुनाव नहीं हुए हों तो स्थानीय पदाधिकारियों के सहयोग से चुनाव करावें। शाखायें निष्क्रिय नहीं रहे, इस ओर भी प्रयास किये जाने की आवश्यकता है।

मुझे यह सूचित करते हुए हर्ष है कि पल्लीवाल जैन समाज की पहली शैक्षणिक संस्था ''प्राथमिक विद्यालय एवं छात्रावास'' के भवन का निर्माण दि. 13 अक्टूबर 2019 को प्रारम्भ होने जा रहा है। ''पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति'' के सभी सदस्यों, कमरा निर्माण हेतु दान देने वाले महानुभावों तथा समाज के उन सभी सदस्यों से जो शिक्षा क्षेत्र में रूचि रखते हैं अथवा समिति की सदस्यता ग्रहण करने में अथवा निर्माण में सहयोग की भावना रखते हैं, इस अवसर पर जयपुर पधारने हेतु सादर आमंत्रण।

जैसा कि आपको विदित है ग्वालियर में दि. 7 नवम्बर 2019 को महासभा का अधिवेशन तथा दि. 8 नवम्बर 2019 को ''सामूहिक विवाह सम्मेलन'' आयोजित किया जा रहा है। कृपया इस अवसर पर अवश्य पधारें तथा अधिक से अधिक जोड़े तैयार करने में केन्द्रीय विवाह संयोजक श्री चंद्रप्रकाश जी जैन, मुरैना का सहयोग करें।

क्षमावाणी पर्व कुछ दिन पूर्व में हम लोगों ने मनाया है। मैं भी स्वयं कीओर से तथा मेरी कार्यकारिणी की ओर से गत वर्ष में की गई त्रुटियों के लिये सभी से क्षमा मांगता हूं। यह निवेदन है कि वर्तमान में चल रहे कार्यक्रमों को और अच्छी तरह क्रियान्वित करते समय नये कार्यक्रम हाथ में लेने के लिये भी केन्द्रीय कार्यकारिणी का मार्गदर्शन करें।

सधन्यवाद, सादर

आपका आर.सी. जैन

सूचना

आपको विदित ही है कि अ.भा. पल्लीवाल जैन महासभा का स्वर्ण जयंती समारोह, ग्वालियर में 07.11.2019 को समारोह पूर्वक आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हैं। इसमें सक्रिय सहभागिता हेतु आप अपनी शाखा की किसी एक प्रतिभा का धार्मिक नृत्य/गायन (भजन) द क्षेत्र में प्रस्तुति हेतु चयन कर मुझे दिनांक 12.10.2019 तक अनिवार्यतः सूचित करने का कष्ट करें। जिससे संपूर्ण कार्यक्रम नियोजित किया जा सके। अंतिम तिथि के उपरांत प्राप्त प्रविष्टियों को प्रस्तुति के क्रम में लेना संभव नहीं होगा।

सहयोग की आशा में...

राजीव रतन जैन

राष्ट्रीय महामंत्री

भूमि पूजन, भामाशाह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति

सम्मानीय बन्धुओं,

आपको यह जानकर हर्ष होगा कि पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति द्वारा दिनांक 13 अक्टूबर 2019, रविवार को प्रात: 11 बजे सुबोध गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, रामबाग सर्किल, जयपुर में **'भामाशाह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह'** का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर पल्लीवाल जैन समाज के उन महानुभावों का सम्मान किया जायेगा जिन्होनें पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति द्वारा निर्मित किये जाने वाले भवन में कमरों के निर्माण के लिए अपनी स्वीकृति दी है तथा समाज के उन छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया जायेगा जिन्होंने सैकण्डरी (10वीं) एवं सी.सैकण्डरी (12वीं) की परीक्षा में 95% या उससे अधिक अंक प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया है। ऐसे छात्र अपनी मार्कशीट की फोटोप्रति शिक्षा समिति के कार्यालय में दि. 8 अक्टूबर 2019 तक पहुंचा दें। समाज के इस वर्ष राजपत्रित पद पर चयनित युवाओं का सम्मान भी किया जायेगा।

इस समारोह के **मुख्य अतिथि माननीय नगरीय विकास मन्त्री श्री शान्ती धारीवाल जी होंगे। अध्यक्षता मद्रास एवं कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश माननीय श्री नगेन्द्र कुमार जी जैन करेंगे, विशिष्ट अतिथि श्रीमती जसकौर मीणा (शिक्षाविद् एवं सांसद दौसा) तथा श्री प्रदीप जी बोरड़, आई.ए.एस.,** आयुक्तकॉलेज शिक्षा, राजस्थान होंगे।

॥ कार्यक्रम ॥

भूमि पूजन

दि. 13 अक्टूबर 2019 को प्रात: 8:15 बजे से 9:15 बजे तक

(H-1, H-2, शिव ऑफिसर (R.A.S) कॉलोनी, जगतपुरा, जयपुर)

वार्षिक आमसभा

दि. 13 अक्टूबर 2019 को दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक

(सुबोध गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, रामबाग सर्किल, जयपुर)

इस अवसर पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

भवदीय :

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति

सी-22, दांतिया हाउस, इन्द्रपुरी, लाल कोठी, जयपुर

सम्पर्क : 9829999335, 9414052876, 9414047684

पर्वाधिराज पर्युषण पर्व एवं दसलक्षण पर्व

के पावन प्रसंग पर

सर्वसमाज, विद्वान लेखकों एवं पाठकों से विगत वर्ष में हुई ज्ञात-अज्ञात भूलों के लिए हम विशुद्ध हृदय से क्षमा याचना करते हैं।

क्षमा प्रार्थी

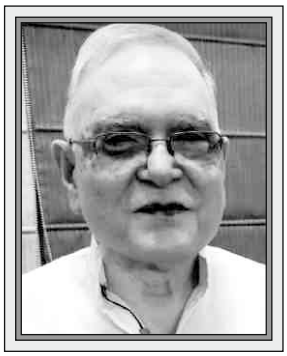

अध्यक्ष महासभा
श्री आर.सी. जैन, *Retd. IAS*
(जयपुर)

महामंत्री महासभा
श्री राजीव रतन जैन
(इन्दौर)

अर्थमंत्री महासभा
श्री अजीत जैन
(अलवर)

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

★★★★★★★★

परामर्शदाता पत्रिका
डॉ. अनुपम जैन
(इन्दौर)

संयोजक पत्रिका
श्री चन्द्रशेखर जैन
(जयपुर)

संपादक पत्रिका
श्री प्रकाश चन्द जैन
(जयपुर)

सहसंपादक पत्रिका
श्री पारस जैन गहनौली
(जयपुर)

अर्थसंयोजक पत्रिका
श्री महेश चन्द जैन
(जयपुर)

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.

AN ISO 9001:2008 COMPANY

PRODUCTS

-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS

-PRESSED STEEL RADIATORS

-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS

-PACKAGE SUBSTATION

CONTACT

Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India

Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

पर्वाधिराज पर्युषण : आत्मोथान आत्म मंथन का पर्व

भारत के सांस्कृतिक इतिहास में चातुर्मास का प्रवास्त की परंपरा है। भारत के विभिन्न धार्मिक स्थानों में वर्षायोग के कारण साधना का सर्वाधिक महत्व माना गया है। श्वेताम्बर जैन परंपरा में पर्युषण पर्व भाद्रपक्ष कृष्ण द्वादशी से प्रारम्भ होता है और शुक्लपक्ष चतुर्थी मनान्तर से त्रियोदशी से पंचमी तक रहता है। आचार्यों ने इस पर्व का नाम पर्युषण पर्व रखा है। और इसकी अति सुंदर परिभाषा की है। चारो और से अपनी कषाय को समाप्त करने के लिए,अपने भीतर मैत्री को जन्म देने के लिए, चारो और से अपने भीतर वात्सल्य प्रदर्शित करने के लिए,और चारो और से अपने जीवन में धर्म प्रकट करने के लिए हम पर्युषण पर्व को स्वीकार करते है।

इस पर्व की शक्ति अपार है ,प्रकाश पुंज है , एक प्रतिष्ठा है, एक गति है, उत्तम शरणं है और मुक्ति मार्ग प्रशस्त करता है। इस लिए इस पर्व को आत्मोथान आत्म – मंथन , आत्म जागरण और स्वयं के निकट पहुंचने का श्रेष्ठ पर्व कहा जाता है।

पर्युषण पर्व धर्म के सांविभाग का समय है। प्रकृति से निर्वाति की और जाने का स्वर्णिम अवसर है। स्वयं को अधर्म से मुक्त करने की कला है। भाद्रपक्ष के इन आठ दिनों में सौंदर्य,विशालता और वैभव को लेखनी वर्णन करने में अशक्त है। यह प्रावृत भाद्रपक्ष की कटी भाग और वसुधा के यौवन की उड़ती आंधी है। वर्षायोग श्रवण और श्रावक की धर्म संस्कार जाग्रत करने का एवं संत – मुनि का सानिध्य का पावन अवसर है। भगवान महावीर स्वामी ने महा पर्व पर्युषण और संवत्सरी इसी दिन को आत्मोथान ,मैत्री और क्षमापना के रूप में मनाया। इससे स्पष्ट ज्ञात होता है की महापर्व पर्युषण और संवत्सरी की परंपरा एक प्राचीन परंपरा है। अर्थात पर्वाधिराज का मुख्यदिवस एक ही संवत्सरी वही पर्युषण। इसे आरम्भ ढूंढने पर भी मिलना कठिन है। सँवत्सरी पर जो विशेष प्रतिक्रमण किया जाता है वह नितांत आत्म – शुद्धि आधार है। संवत्सरी आराधना के मुख्यतया तीन अंग है। आतम आलोचन, विश्वमैत्री , और क्षमापना। जैन धर्म में आत्म आलोचन में आत्म शुद्धि के साथ साथ पारस्परिक आत्म शांति का भी सर्जन उससे संभव हो जाता है। पर्वाधिराज की आराधना की लिए भात्म आलोचना ,विश्वमैत्री, और क्षमापना के साधन अवश्य अपनाना है।

पर्वाधिराज पर्युषण आध्यात्मिक जाग्रति का महा पर्व है। जिसमे स्व – पर हित साधना का श्रेष्ठ अवसर होता है। आत्म शुद्धि के लिए क्रोध, मान, माया तथा लोभ रुपी कषाओ को हटाकर सम्यक, श्रद्धा, ज्ञान और आचरण को पूर्ण आत्म सात किया जाता है। अंहिसा, सत्य, आचार्य, अपरिग्रह और शील इस पांच महाव्रतो के द्वारा अपनी शुद्धि की जाती है। वाणी में स्वाद्वाद विचारों में अनेकान्तवाद और आचार में अनेकान्त की प्रतिष्ठापना की जाती है। आत्म साधना करते समय उत्तम क्षमा, मार्दव आदि सद्गुणों के विकास के कार्य किये जाते है। क्रोधादि विकारो के शमन हेतु विशेष प्रकार के तप, विशेष, पूजा, स्नानं, पूजा, भक्ति, ध्यान, जप, नृत, उपवास, सामायिक, तत्व, चिंतन आदि विविध प्रयोगों द्वारा आत्म मंथन करते है। इन्ही के द्वारा आत्मा के अंदर के राग – द्वेषादिक विकारों को शांत कर आत्मा में उत्तरोत्तर समता की ही अभिवृद्धि की जाती है। पर्युषण पर्व में अंतिम दिन क्षमापना दिवस के रूप में मानते है। यह जैन एकता के लिए शुभ संकेत है।

जैन शास्त्रों में क्षमापना का हिंदी में एक भव्य सूत्र उपलब्ध है:– संसार के समस्त प्राणियों से क्षमा चाहता हूँ। सभी मुझे क्षमा करे। समस्त प्राणियों से मेरी भिन्नता है। किसी से मेरा वैर नहीं है। यह इस पर्व के भावपूर्ण संदेश मंगल के लिए कितने प्रभावशाली है। क्षमापना के शब्द से क्षमा प्राप्त करना और क्षमा प्रदान करना दोनों अर्थ संपादित हो जाते है। क्षमा देने वाला प्रसन्नता और संतोष का अनुभव करता है तो क्षमा लेने वाले को शांति और शीतलता की अनुभूति मिलती है। आत्म उत्थान का लक्ष्य करीब हो जाता है। क्षमा को सबसे बड़ा तप कहते है। क्रोध, गुस्सा का उपशमन क्षमा के द्वारा ही संभव है। इससे बढ़कर और कोई मंत्र – यंत्र नहीं है। क्षमा एक ऐसा सेतु है जो हृदय को हृदय से जोड़े रखता है। क्षमा बीरो का भूषण है। तपस्वियो को शोभा है। सत्य, अंहिसा और क्षमा की तलवार से महात्मा गाँधी ने भारत को आजादी दिला दी और सारा संसार चकित रह गया। एक बार सिर्फ एक बार क्षमा की ऊंचाई पर चढ़कर देखे। जिस शांति और अध्यात्म की स्पंदन की अनुभूति होगी उसे संसार के किसी भी कोनो से प्राप्त करना असंभव है। जीवन में क्षमा की महत्ता को मंदिर की शिखर के समान बताया गया है। क्षमा शब्द के निरंतर चिंतन से इष्ट फल सिद्धि से मोक्ष की और अग्रसर होना बहुत सरल है। पर्वाधिराज पर्युषण साधक को आत्मोत्थान तथा आत्मा को उत्कर्ष की और ले जाने वाला महापर्व है। जिनेश्वर देव के आगम में पर्युषणो के समान कर्मो के मर्म को भेदने वाला जैसा पर्व अन्य कोई नहीं है – क्योकि इस पर्व में उसकी साधना –सामग्री विशेष है – यह उसका भाव है। आत्म कल्याण की साधना के लिए अनेक पर्वो का आयोजन किया जाता है, इसमें पर्युषण महापर्व महान है, – इसी कारण इस पर्व को पर्वाधिराज की उपमा दी गयी है।

मोक्ष की चाह एक कठिन आराधना है, परन्तु आराधना की पूर्णता तभी मिल सकती है कि आप साधना के सोपानो पर चरण बढ़ाकर अपनी समस्त साधनाओं को विकसित करते हुए सिद्धि की और निरंतर अग्रसर होते रहे, इसके फल स्वरुप आपके प्रगति का पथ प्रशस्त होगा और आप मोक्षमार्ग पर बढते हुए अपनी मंजिल के निकट निश्चित पहुंच सकते हैं।

–डॉ. गोकल चन्द जैन

7 ए–12, इंद्रपुरी कॉलोनी, लाल कोठी, जयपुर

रिश्ते हैं, तो हम हैं...

कहते हैं रिश्ते हवा की तरह होते हैं, हमेशा आसपास मौजूद होकर सांसे देते रहते हैं। ''परिवार'' विरासत के रूप में मिली रिश्तों की पहली पाठशाला है। माता–पिता, भाई–बहिन, निःस्वाथ भाव से जीवन भर एक–दूसरे का साथ देते हैं। एक दूसरे का सम्मान, सेवा करना, सीमित संसाधनों में भी मिल बांट कर जीवन जीना, एक दूसरे को प्रेरित करना सब परिवार से ही सीखते हैं। माँ से ममता, त्याग, करुणा और पिता से अनुशासन, की सीख मिलती है। पति–पत्नी का सम्बंध भी विश्वास के सहारे चलता है रिश्ता कोई भी हो, अगर उसकी निर्वाह सही है तो जीवन में उलझने बहुत कम होगी। मुश्किल में किसी बाहरी परामर्शदाता की जरूरत नहीं होगी। परिवार जन ही अच्छे सलाहकार की भूमिका में हमारा मार्ग दर्शन करते हैं। परिवार के रिश्ते हों या सामाजिक सभी का अलग महत्व होता है। परिवार से मिली सीखे ही हमें बाहर समाज में सम्मान देती हैं दूर के रिश्तों की कीमत जरूरत पड़ने पर पता चल जाती है।

समाज में रहो तो सामाजिक वन के रहना पड़ता है। रिश्तों को पहचाना पड़ता है। यह संसार राग के वश में होकर, पर को अपनपा मानना हो परन्तु जिसे तुम अपना मानते हो, वह रात का ही सपना है, जैसे सपना क्षणिक होता है, उसी प्रकार यह परिवार भी क्षणिक है, जब तक संयोग हो, तब तक एक ही साथ रहते हैं, वियोग होने पर सगे से सगे संबंध टूट जाते हैं। हवा जब तेज होती है, तब वृक्ष के पत्ते टूट जाते हैं। पाप कम का उदय होने पर संबंध छूट जाते हैं। हर आदमी विपत्ति में अकेलापन महसूस करता है।

कौन माता, कौन पिता, कौन भाई, कौन चाचा, कौन चाची ये तो रक्त के संबंध है। शरीर का संबंध है आत्मा का किसी से साथ कोई संबंध नहीं होता।

मोह के कारण यह जीव अपने स्वभाव को प्राप्त नहीं कर पाता है। जिसके कारण पर तो अपना स्वीकार करता है। मोह का पर्दा हटते ही स्वयंमेव स्व को जान लेता है और पर को पर जानता है–

जो वस्तु को जला दे, उसे आग कहते हैं।
जो जीवन को जला दे उसे राग कहते है।
जो जीवन को ऊपर उठा दे उसे त्याग कहते हैं।
जो मुक्ति में पहुंचा दे उसे विराग कहते हैं।

जीवन एक कहानी है कहानी कितनी अच्छी है यह महत्वपूर्ण है। कितनी लम्बी है यह महत्वपूर्ण नहीं है। जीवन का सम्मान करो। दो–पांच गुन जाते है तो दुःख होता है मगर समग्र जीवन कार्य में बीता जा रहा है। इसकी कोई चिंता नहीं। अरे झाड़ू लगाते हुए एक तिनका भी गिर जाये तो हम उसे संभाल लेते हैं पर श्वास रूपी तिनके–तिनके हर पल गिर रहे है फिर भी हम बेखबर हैं।

अरमान दिल में हाउसफुल हैं।
पूरे होगे या नहीं ये डाउटफुल है।
गाड़ी, बंगाला, फर्नीचर सब वण्डरफुल हैं।
लेकिन खाली हाथ जाना है कुदरत का रूल है।

–श्रीमती सन्तोष जैन
जयपारस, 102/117, मानसरोवर, जयपुर

आवश्यक सूचना

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के सदस्यों को पत्रिका न मिलने/देरी से मिलने की सूचना प्राप्त होने पर डाक विभाग में शिकायत किये जाने पर डाक विभाग से जानकारी प्राप्त हुयी है कि सम्भवतः एक स्थान पर एक समान नाम के व्यक्तियों के होने से/पत्रिका में पते के साथ पिन कोड नं. न होने/गलत होने के कारणों से पत्रिका नियत समय नहीं पहुँच पा रही होगी। अतः समस्त सदस्यों से अनुरोध है कि आपके पते को सही/दुरस्त किये जाने हेतु आप निम्न जानकारी (अंग्रेजी Capital अक्षरों में)–

(1) सदस्यता संख्या, (2) सदस्य का नाम, (3) सदस्य के पिता/पति का नाम, (4) पता, (5) जिले का नाम, (6) राज्य का नाम, (7) पिन कोड नं., (8) दूरभाष नं. / मोबाइल नं.

संयोजक के पते पर लिखित में अथवा ईमेल द्वारा अवगत कराने का श्रम करावें। ***–संयोजक***

समस्त पाठकों से निवेदन है कि श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका हेतु वैवाहिक विज्ञापन, पते में संशोधन व अन्य प्रकाशनार्थ सामग्री व्हाट्सएप पर न भेंजे। समस्त सामग्री ई–मेल या पोस्टल डाक से ही भिजवायें।

भावभीनी श्रृद्धांजलि

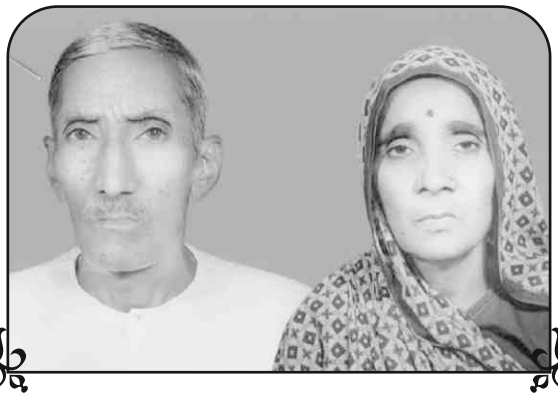

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,
पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी
पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन
पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप
पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवासः- बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission
PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति द्वारा
दि. 13 अक्टूबर 2019 को

भूमि पूजन,
भामाशाह एवं प्रतिभा
सम्मान समारोह

के आयोजन पर हार्दिक शुभकामनाऐं

RIDE TO RISE FOUNDATION

71/7, Madhyam Marg, Mansarovar, Jaipur,
Rajasthan (INDIA) 302020 I Tel : 0141-2785478

- To Conduct training and skills development programs such as software development, computer programming.
- To establish, found and maintain libraries and reading rooms for the use and convenience of general public.
- To Promote Welfare of the society specially in rural areas by imparting education and sports activities.
- To Promote literacy, cultural and social activities by Awareness Program.
- To Promote health of the people in the rural areas.

A PUBLIC CHARITABLE TRUST - REGISTERED UNDER INDIAN TRUST ACT

FOUNDER TRUSTEES

DEVENDRA JAIN
VICE PRESIDENT
Palliwal Jain Shiksha Samiti

NITISH JAIN
CONVENER
Palliwal Jain Mahasabha Navyuvak Mandal

SMT. MANJU JAIN

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति द्वारा
दि. 13 अक्टूबर 2019 को

के आयोजन पर हार्दिक शुभकामनाऐं

डॉ. चन्द्र शेखर जैन
MBBS, MD (PAED)

नवजात शिशु व बच्चों के विशेषज्ञ

श्याम चाइल्ड हॉस्पिटल

1133, सुभाष चौक, जयपुर-302002

फोन : 0141-2603277, मो.: 9414717957

दिव्य शेखर जैन
BE, MBA

Dashamlav Financial Advisory Services

Share Brokering (AB Money),
Financial Research and Advisory Services

"Shekhar House", C-264, Sidharth Nagar-C, Jaipur • Mob.: 8005950672

सौम्य शेखर जैन
BE (Comp. Sc.)

Acko General Insurance Banglore

॥ जय गुरु हस्ती ॥ ॥ श्री महावीराय नमः ॥ ॥ जय गुरु हीरा मान ॥

॥ श्री कुशलरत्नगजेन्द्रहीरागणिभ्यो नमः ॥

रत्नसंघ के अष्टम पट्टधर, व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक, आगमज्ञ, प्रवचन प्रभाकर पूज्य **आचार्य प्रवर 1008 श्री हीराचन्द्र जी म.सा.** की, आज्ञानुवर्तिनी **मधुर व्याख्यानी महासती श्री मुक्तिप्रभा जी म.सा., महासती श्री उदितप्रभा जी म.सा., महासती श्री संयमप्रभा जी म.सा., महासती श्री कोमलश्री जी म.सा.** आदि ठाणा-4 के सानिध्य में अविस्मरणीय चातुर्मास भरतपुर में **सुश्री अन्तिमा जी जैन** पुत्री श्री निर्मल कुमार जी जैन के **31 उपवास (मासखमण)** की तपस्या 16 सितम्बर 2019 को सानन्द सम्पन्न होने पर **हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।**

जीता है मन को, व्रतधारा अनशन।
धन्य तपस्वी, तेरा करते अभिनन्दन॥

धर्मेन्द्र जैन	प्रकाश जैन	अशोक जैन	सुभाष जैन
अध्यक्ष	मंत्री	कोषाध्यक्ष	चातुर्मास संयोजक
9414023534	9414315407	9414376868	9828502515

श्री वर्द्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ (ट्रस्ट)

श्री श्वेताम्बर जैन स्थानकवासी महावीर भवन

बासन गेट, भरतपुर (राज.)

श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, बासन गेट भरतपुर
श्री जैन रत्न युवक परिषद, बासन गेट भरतपुर
Facebook: Mahaveer Bhawan • Email: mahaveerbhawanbtp@gmail.com

गुरु जिन पर हो तुम्हारा हाथ,
हो जाते भगवान भी उनके साथ

राजनीतिक संदर्भ - जैन धर्म

लोकतांत्रिक पद्धति

देश का शासन किस प्रकार चलना चाहिए इसके लिए अनेक पद्धतियाँ हो सकती हैं, ये हैं– राजतंत्र, सैन्यतंत्र, कुलीनतंत्र, अधिनायकवाद, साम्यवाद आदि। इन पद्धतियों में किसी एक व्यक्ति या वर्ग विशेष का महत्व होता है। राजतंत्र में राजा का, सैन्यतंत्र में सैनिक वर्ग का, कुलीनतंत्र में कुलीनों का, अधिनायकवाद में अधिनायक का, साम्यवाद में सर्वहारा प्रतिनिधियों का। इसलिए इन पद्धतियों का अच्छा नहीं माना जा सकता।

वर्तमान में लोकतान्त्रिक शासन पद्धति को शासन की सर्वश्रेष्ठ प्रणाली के रूप में स्वीकार किया गया है। लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए शासन है। लोकतंत्र में सबसे महत्त्वपूर्ण स्थान व्यक्ति को दिया गया है। लोकतांत्रिक प्रणाली में व्यक्ति अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करता है और ये जन प्रतिनिधि कानून बनाते हैं और उनका पालन करवाते हैं।

लोकतान्त्रिक शासन की सबसे महत्तवपूर्ण विशेषता सभी मनुष्यों को समान महत्त्व देना है। लोकतंत्र में मानव के साथ रूप–रंग, धन, धर्म, जाति–सम्प्रदाय के आधार पर भेद नहीं किया जाता है। शासन में सभी व्यक्ति बराबर भागीदार होते हैं। लोकतंत्र में कोशिश की जाती है कि ऐसी समाज व्यवस्था स्थापित हो जिसमें सभी व्यक्ति अपनी क्षमता और रूचि के अनुसार विकास कर सकें।

लोकतान्त्रिक शासन पद्धति की अनेक गुणों के कारण प्रशंसा की गई है। लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को स्वतंत्रता और न्याय प्राप्त करने का समान अधिकार प्राप्त है, शासन में भाग लेने का अधिकार प्राप्त है। लोकतंत्र सामान्य व्यक्तियों के चरित्र और बुद्धि को क्रियाशील बनाता है। वह ऐसे मूल्यों की स्थापना करता है जिसमे व्यवस्था की स्थापना, सुरक्षा, शारीरिक सुख–सुविधा की प्राप्ति, शिक्षा और संस्कृति के साधनों की प्राप्ति आदि लक्ष्यों की प्राप्ति में आसानी रहती है। लोकतंत्र जन सामान्य की प्रसुप्त बौद्धिक तथा आध्यात्मिक शक्तियों को विकसित करने में भी प्रभावशाली भूमिका निभाता है। लोकतंत्र जन जागरूकता का प्रतीक है।

सैद्धान्तिक रूप से लोकतान्त्रिक पद्धति शासन अत्यन्त उत्तम रूप है परन्तु व्यावहारिक रूप से इस पद्धति को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लोकतान्त्रिक पद्धति प्रतिनिध्यात्मक शासन प्रणाली है जिसमें जनता अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन करती है। लोकतंत्र का अहम सूत्र प्रतिनिधि वर्तमान में सन्देह के दायरे में है। प्रतिनिधि के रूप में अनेक अपराधी भी प्रतिनिधि सभाओं में प्रवेश पा रहे हैं। ऐसे लोग जो हत्या, चोरी, मारपीट, बलात्कार, अपहरण, गबन, घोटालों जैसे संगीन जुर्मों में शामिल होते हैं, वे भी जन प्रतिनिधि बन जाते हैं। चुनाव जीतना मात्र नेताओं का लक्ष्य रह गया है। इसके लिए धन, धर्म, जाति, बाहुबल जो भी हथकण्डा अपनाया जा सकता है वे अपनाते हैं। शासक दल को पराजित कर जब जनता दूसरे पक्ष को मौका देती है तो वह भी ऐसा ही निकलता है। इस प्रकार वर्तमान में लोकतंत्र पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

लोकतान्त्रिक शासन पद्धति के इन दोषों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक है कि उन सिद्धान्तों का प्रयोग किया जाए जिनसे ये दोष दूर हों और श्रेष्ठ शासन पद्धति के अन्तर्गत विकास कर सकें।

जैन सिद्धान्तों का प्रयोग कर हम सर्वश्रेष्ठ शासन पद्धति की खोज कर सकते हैं। लोकतान्त्रिक पद्धति का आधारभूत तत्व है %संवाद% । जनता–जनता के मध्य, जनता–नेता के मध्य, नेता–नेता के मध्य संवाद आवश्यक है। संवाद की इस प्रक्रिया में सभी पक्षों पर ध्यान देना आवश्यक है, अन्यथा संवाद विवाद में बदल जाता है। इस दृष्टि से अनेकांतवाद

और स्याद्वाद का सिद्धान्त अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। लोकतन्त्र की प्रक्रिया में यह महान सहायक सिद्धान्त है। किसी देश में अनेक वर्ण, जाति, सम्प्रदाय, नस्ल आदि के आधार पर भेद बना रहता है। इन विभिन्न आधारों पर हित भी भिन्न भिन्न होते हैं। सामूहिक विकास के लिए इन विभिन्न हितों का सामंजस्य आवश्यक है। यह सामंजस्य तभी हो सकता है जब हमारी दृष्टि इतनी व्यापक हो कि हम अन्य के हितों को भी देख

सकें। अनेकांत दृष्टि का यही उपदेश है कि मानव का ज्ञान सीमित है द्वंद्व और अपने ज्ञान की सीमा से परे वह अज्ञानी है। जब मनुष्य का ज्ञान

सीमित है तो उसका दृष्टिकोण भी सीमित हो जाता है। तब मनुष्य जो निर्णय लेता है वे सीमित दृष्टिकोण पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी निर्णय को लेने से पूर्व उसे अच्छा बनाने के लिए आवश्यक है कि उसमें अन्य दृष्टिकोणों का भी समावेश

होना चाहिए। सर्वश्रेष्ठ लोकतान्त्रिक सरकार वह होगी जो सर्वसमावेशी होगी जिसमे सभी धर्म, जातियों, सम्प्रदाय, रंग, लिंग आदि का प्रतिनिधित्व होगा।

जैन धर्म की आत्मिक एकता और लोकतंत्र की व्यक्ति समता एक जगह पर जाकर मिल जाती हैं। जिनशासन में सभी आत्माएँ समान हैं। आध्यात्म के स्तर पर सारे भेद छूट जाते हैं। भेद छूट जाने पर सभी मनुष्यों के बीच आत्मिक अभेद की स्थापना होती है। लोकतंत्र में भी व्यक्ति को बिना रंग, जाति, धर्म, लिंग, सम्प्रदाय के भेद के केवल व्यक्ति रूप में महत्त्व देने पर ही सर्वसमतामूलक लोकतान्त्रिक मूल्यों की स्थापना होती है।

लोकतंत्र का सबसे बड़ा दायित्व नेतृत्त्व पर है। लोकतंत्र के प्रतिनिधि जितने सबल होंगे, लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। जैन सिद्धान्तों के आधार पर नेतृत्त्व में किस प्रकार के गुण होने चाहिए इनका वर्णन निम्नलिखित प्रकार से कर सकते है :–

(1) नेतृत्त्व अहिंसक होना चाहिए। आज जो हिंसा का माहौल है, बात–बात में हत्या, आगजनी, तोड़ फोड़, मारपीट की घटनाएँ हो रही हैं। ऐसे वातावरण में नेतृत्त्व ऐसा होना चाहिए जो संयमी हो, अहिंसक हो। महात्मा गांधी ने भारत की आजादी का जो महान आन्दोलन चलाया वो इतना व्यापक और लम्बे समय तक चलने वाला था लेकिन गांधीजी ने इसे सदैव अहिंसा के सिद्धान्तों पर चलाया। गांधीजी तो विदेशियों से लड़ रहे थे तो भी वे हिंसा पर नहीं उतरे। लेकिन आज हमारे देशवासी आपस में ही हिंसा का खूनी खेल रहे हैं। ऐसे समय में उस अहिंसा की आवश्यकता है जहाँ कर्म तो क्या मन और वचन से भी बुरा सोचना, बुरा बोलना हिंसा माना गया है। तभी हिंसा की इस रक्त नदी को शुद्ध किया जा सकता है।

(2) नेतृत्त्व सत्यप्रिय होना चाहिए। आज नेता जनता से बडे–बड़े वादे करते हैं, अच्छे अच्छे स्वप्न दिखाते हैं परन्तु चुनाव जीतने के बाद अपना चेहरा तक नहीं दिखाते। इसके परिणाम स्वरूप जनता में नेताओं की विश्वसनीयता घटती जा रही हैं तथा लोकतंत्र पर से भी विश्वास उठता जा रहा है। इस संकट को रोकने को लिए आवश्यक है कि नेता सत्यव्रत का पालन करे। सत्य प्रयोग द्वारा पारदर्शिता आती है, जिसकी आज की राजनीति में गहरी आवश्यकता है।

(3) आज भारत देश भीषण चोरी के संकट से गुजर रहा है। दूसरे की सम्पत्ति को हाथियाने के लिए कुचक्र चलाये जा रहे हैं। किसी भी चीज की चोरी हो सकती है – बिजली की चोरी, पानी की चोरी, सरकारी सम्पत्ति की चोरी, सरकारी जमीन पर कब्जा। नित्य नए–नए घोटाले निकल रहे हैं। इन सबका कारण है अनाधिकार रूपसे वस्तुओं पर हक जमाने की चेष्टा । अचौर्यव्रत किसी भी प्रकार के अनाधिकार संग्रह का निषेध करता है। नेत्तृत्व को अचौर्यव्रती होने की प्रतीज्ञा लेनी होगी। नेतृत्व को समझना होगा कि देश की सम्पदा की रक्षा, नागरिकों की सम्पदा की रक्षा उनका प्रथम कर्तव्य है। जिस देश में नागरिकों की सम्पत्ति सुरक्षित नहीं है वे देश शीघ्र ही अव्यवस्था के शिकार हो जाते हैं।

(4) नेतृत्त्व अपरिग्रही होना चाहिए। अनावश्यक संग्रह जहाँ नेतृत्त्व को भोग विलास की ओर मोड़ देगा, वहीं कर्तव्य निर्वहन में भी ढिलाई आएगी। व्यक्ति की लालसा रही है कि वह सात पीढियों तक के लिए संग्रह कर ले। यदि नेतृत्त्व इस प्रकार की लालसा वाला हुआ तो यह बड़ा विनाशक होगा क्योंकि नेतृत्त्व शक्तिधारी होता है और वह अपनी शक्ति का दुरूपयोग करके व्यक्तिगत सम्पत्ति संचय में लग जाएगा। इसके दुष्परिणाम आम जनता को भोगने पडेंगे। जिन आधारित शासन के नेता अपरिग्रही होंगे जो अनावश्यक संग्रह को त्याग देंगे।

(5) नेता का चरित्र निष्कलंक होना चाहिए। अपने साथी के अतिरिक्त अन्य सभी को भाई/बहन के समान समझना चाहिए। चरित्र की निष्कलंकता से नेता की विश्वसनीयता बढती है। इसके लिए ब्रह्मचर्य व्रत का पालन आवश्यक है।

(6) नेता सप्त व्यसनों का त्यागी होना चाहिए। ये व्यसन है– जुआ, मांस, मद्य, वेश्यावृत्ति, शिकार, चोरी और परस्त्रीगमन। इन व्यसनों के परित्याग से व्यक्ति नैतिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत होता है। देश में सुशासन के लिए नेतृत्त्व का नैतिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत होना अत्यावश्यक है।

(7) नेतृत्त्व इस प्रकार का होना चाहिए कि वह देश के सभी वर्गों को साथ लेकर चल सके। नेतृत्त्व का दृष्टिकोण अनेकांतवादी होना चाहिए जिसमें सभी का समन्वय हो।

इस प्रकार जिन प्रतिपादित सिद्धान्तों के आधार पर नवीन नेतृत्त्व उभरेगा और देश को नई दिशा देगा। जो सिद्धान्त आज लोकतंत्र का मूल है वे सिद्धान्त आज से 2500 वर्ष पहले ही भगवान महावीर स्वामी द्वारा अपनी श्रवण एवं श्रावक संस्थाओं को निर्दिष्ट किए गए जिनका पालन आज भी हो रहा है। इन सिद्धान्तों के आधार पर ही हम लोकतंत्र में आए विकारों को दूर कर सकते हैं, उसमें आध्यात्मिक रंग भर सकते हैं।

–डॉ. धीरज जैन

साभार : 'वर्तमान में वर्धमान'

महिला और अवसाद

नारी ! तुम केवल श्रद्धा हो। विश्वास–रजत नग पग तल में
पीयूष–स्रोत सी बहा करो। जीवन के सुंदर समतल में !

हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन के शोध में खुलासा हुआ है कि विश्व में पैंतीस करोड़ से भी ज्यादा लोग अवसादित है और उनमें से महिलाओं की प्रतिशतता बहुत ज्यादा है। लगभग पांच में से चार महिलाऐं अपनी लाइफ में कभी ना कभी अवसाद को झेलती है। विशेषतः अठारह से पैंतीस साल के मध्य।

एक स्त्री परिवार का आधार स्तम्भ होती है जो अपने परिवार को सदैव अविरल व अक्षुण्ण बनाए रखती है, वो अपरिमित शक्ति व क्षमता की धनी होती है और अकेले उसके परेशान/तनाव/डिप्रेशन में आने से पूरा परिवार बिखर जाता है।

और अपनी इस स्थिति की जिम्मेदार स्व महिला ही ज्यादा होती है। दरअसल हम स्त्रियाँ शुरूआत में डिप्रेशन को हल्का–सा तनाव मानकर इग्नोर कर जाते हैं जिससे यह बीमारी धीरे–धीरे गंभीर रूप धारण कर लेती है। जबकि ''तनाव सिर्फ वर्तमान की समस्या रूपी कथा है और डिप्रेशन, डिप्रेशन अतीत की एक अनसुलझी व्यथा है।'' ''तनाव अल्प समय की प्रक्रिया है, जबकि डिप्रेशन मस्तिष्क क्रियाओं को प्रभावित करने वाली दीर्घकालिक अवस्था।''

कारण– आज भागदौड़ भरी जिंदगी और एकल परिवारों ने इस समस्या को बढ़ावा दिया है। अपनी भावनाओं को शेयर नहीं करना या कहें अपनी अंदर की आवाज को अनसुना करने से, शारीरिक परिवर्तनों के समय हमारे हार्मोन्स स्तर में बदलाव से, अपनी इच्छाओं की पूर्ति नहीं होने या दूसरे की उम्मीदों पर खरा ना उतरने से ग्लानि/दबाव के कारण, नौकरी में समस्या या आर्थिक परेशानी से, अन्यथा लम्बे समय तक सेहत खराब होना इसके प्रमुख कारण हैं और फिर व्यक्ति अपने जीवन के प्रति विमुख हो खुद को खत्म करने की सोचने लगता है।

लक्षण– कुछ संवेदनशील नारियों छोटी–छोटी बातों का इतना करती है एनालाइसिस, इसीलिए उनके दिमाग को हो जाता है पैरालाइसिस'' बाद में तनाव से धीरे–धीरे उन्हें नींद कम आना, स्वभाव चिढ़चिढ़ा होना, जल्दी गुस्सा होना, स्व से व दूसरों से असंतुष्ट होना, प्रत्येक कार्य जल्दी ही अरूचिकर लगना या उस पर पूर्ण फोकस ना कर पाना, गंदे–गंदे ख्याल आना, हर आदमी मेरी बुराई कर रहा है यह सोचना, रात को बार–बार नींद उचटना/नींद नहीं आना, कब्ज होना/पाचन क्रिया कमजोर पड़ना, बी.पी., शुगर, थॉयराइड आदि की समस्या का पैदा होना जो बाद में डिप्रेशन से और बढ़ जाती है।

''डिप्रेशन एक दीमक है जो धीरे–धीरे व्यक्ति की मनोदशा व मस्तिष्क की क्रियाओं को प्रभावित कर उसे खोखला बना देता है।''

चूंकि अवसाद हमारे द्वारा ही उत्पन्न एक रोग है जो धीरे–धीरे बढ़ता चला गया, अब उपचार भी हमें खुद ही करना है, सो किसी अन्य से जरूरत से ज्यादा अपेक्षा ना रखें।

सावधानी– रोग ने बढ़ने में वक्त लिया है, अतः जाने में भी समय लगेगा। कोई चमत्कार आपको फटाफट ठीक नहीं कर सकता। धैर्य धारण करें और मैं तो ये कहूंगी कि उपचार से ज्यादा जरूरी है सावधानी। अतः बी केयरफुल, बी सेलफिश कम से कम अपने लिए तो। सर्वप्रथम तो आप घुटे नहीं, अपनी समस्याओं पर अपनों से खुलकर बातचीत करें, सलाह लेवें। किसी एक को तो हमराज अवश्य बनाऐं ही –

''आकुल, व्याकुल मत हो बहना, ना कर तू समय का इंतजार,
अपनी सब बातें शेयर कर, जिसको तू समझे अपना यार।''
क्योंकि
''दुःख घट जाता, सुख बढ़ जाता, जब है यह बंट जाता।''

उपचार– जीवन समस्याओं का गढ़ है, अतः कठिनाईया आने पर उसका स्वागत करें, डटकर सामना करें, पतली गली से निकलने की कोशिश ना करें, वरना उसके पीछे–2 अनेक और प्रोब्लम्स जन्म ले सकती है।

ये निश्चित है कि आज तक कोई भी (भगवान भी) सभी को प्रसन्न नहीं रख सका तो फिर मैं क्या चीज हूं। ये सोचकर नार्मल रहें।

ये समझ लें कि आपके बिना भी ये परिवार, समाज, देश दुनिया चलेगी दोपहर में सोने के बजाय धार्मिक, आध्यात्मिक व सामाजिक कार्यों से जुड़ें, अपने शौक पूरे करें मसलन

पढ़ना, कुकिंग, डांसिंग....नेगेटिव व ड्रामेबाज लोगों की झूठी हमदर्दी लेकर अपने रोग को नहीं बढ़ाऐं, बल्कि अच्छे/सच्चे लोगों की पॉजिटिव एनर्जी ग्रहण करें। जल्दी स्वस्थ होने के चक्कर में कोई/किसी भी प्रकार की दवाई नहीं लेवें, अन्यथा वह अन्य रोगों को भी आपको उपहार में दे जाएगी।

परिवार के पंचिंग बैग ना बने। आप किसी के गुस्सा उतारने की मशीन नहीं हैं, बल्कि तनाव में आने पर कुछ समय के लिए घर से बाहर चली जाएं घूमने/शॉपिंग करने। डाइवर्सन होते ही आप एकदम फ्रेश महसूस करेंगी।

परिवार की जिम्मेदारी– फैमिली मेम्बर्स का दायित्व है कि महिला सदस्य से ज्यादा अपेक्षा न रखें और ना ही उनकी उपेक्षा या मिसबिहेव करें। प्रत्येक सदस्य अपने छोटे–छोटे काम स्वयं करने की कोशिश करें और संभवतया अन्य कार्यों में भी उनकी मदद करें, विशेषतः महिला वर्किंग होने पर वूमेन्स के शारीरिक परिवर्तनों जैसे पीरियड्स/गर्भावस्था/ऑफ्टर डिलीवरी/मैनोपॉज आदि में उनका पूरा ध्यान रखें, क्योंकि एवरी फीमेल अपने पिता, भाई, पति व पुत्र से यह सुनना पसंद करती है कि –

''मैं हूं ना तुम चिंता क्यों करती हो। मेरे होते हुए तुम क्यों डरती हो।

भोजन हर दो घंटे के अंतर में थोड़ा–थोड़ा और शाकाहारी लेवें, मिर्च मसालेदार भोजन व बाहर के खाने से परहेज रखें। भूखे बिल्कुल ना रहे। धीरे–धीरे आप एकदम स्वस्थ हो जाएंगे, फिर भी ज्यादा परेशानी महसूस हो तो काउंसलर की मदद लेने में भी ना हिचकिचाऐं ! वरना जयशंकर प्रसाद की उक्तियां आप पर फिट बैठेगी –

''अवशिष्ट रह गई अनुभव में।
अपनी अतीत असफलता–सी
लीला विलास की खेद भरी।
अवसादमयी श्रम दलिता सी।''

–श्रीमती सुनीता मुकेश जैन
66/187, वी.टी. रोड़,
मानसरोवर, जयपुर

चातुर्मास

चातुर्मास जैन समाज मे बहुत ही अच्छा, धार्मिक और मंगलमयी समय माना जाता है। चातुर्मास यानी चार महीने आषाढ़, भाद्रपद, अश्विन और कार्तिक इन चार महीनो मे धर्म प्रभावना बहुत ज्यादा होती है। आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष इसके पीछे भी एक कारण है जिसे मैं बाद मे बताऊंगा। जैसा कि हम जानते हैं कि चातुर्मास के समय जैन मुनि किसी एक स्थान पर विराजमान होते हैं मतलब कि जैन मुनि अपना अवागमान रोक दिया करते हैं।

चातुर्मास शुभारंभ हर वर्ष के आषाढ़ महीने के शुक्ल पक्ष में होता है ओर कार्तिक मास मे कृष्ण अमावस्या यानी दिवाली तक रहता है। चातुर्मास समापन महावीर निर्वाण उत्सव के साथ होता है। एक सवाल हर व्यक्ति के मन मे आता है कि मुनि चातुर्मास के समय एक स्थान पर क्यो आसन बनाते हैं।

ऐसा इसलिए क्योंकि इन चार महीनो मे मानसून सक्रिय होता है तथा सावन ओर भाद्रपद के महीने में वर्षा अधिक होती है। बारिश के कारण पानी मे और रास्ते मे छोटे छोटे जीव उत्पन्न होते हैं, जो हमारे पैरों के नीचे आते हैं ओर हिंसा होती है। इसलिए मुनि एक स्थान पर विराजमान होते हैं ताकि जितना कम आवागमन होगा हिंसा उतनी ही कम होगी ओर जैन धर्म अहिंसा के लिए सर्वोत्तम जाना जाता है। इसलिए इन चार महीनों को चातुर्मास कहते हैं ओर इनमे धर्म प्रभावना अधिक होती है ताकि हमारे द्वारा किए गए पापो ओर हिंसा का प्रायश्चित किया जा सके। जैन शास्त्रो मे इन चार महीनो को त्याग और तप के लिए प्रमुख माना गया है।

चातुर्मास के तीसरे महीने यानी भाद्रपद मे जैन धर्म का प्रमुख और सर्वोच्च त्योहार पर्युषण पर्व आता है।

भाद्रपद कृष्ण पक्ष से जैन श्वेतांबर के अष्टहिका पर्व प्रारंभ होते हैं तथा ये पर्व भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्थी तक चलते हैं। पर्युषण पर्व को दशलक्षन पर्व के नाम से भी जाना जाता है। जैन दिगंबर पंथ के पर्युषण पर्व शुक्ल पक्ष की पंचमी से प्रारंभ होते हैं तथा भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्दशी तक चलते हैं। इन दिनों मंदिर मे दस धर्मो की पूजा होती है और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

अश्विन कृष्ण एकम यानी पहले दिन क्षमवाणी पर्व का आयोजन किया जाता है, इसे कुछ प्रांत में पड़वा धोक के नाम से जाना जाता है। इस दिन सभी जैन धर्म प्रेमी एक दूसरे से की गई गलतियों के लिए क्षमा याचना करते हैं।

अंत मे कार्तिक मास की अमावस्या को महावीर निर्वाण उत्सव का आयोजन किया जाता है और निर्वाण पूजा की जाती है। इस खुशी के मौके पर दीपावली पर्व का अयोजन किया जाता है तथा भगवान महावीर की पूजा की जाती है।

–कार्तिक जैन *(The_Jain)*

जैनत्व और पर्यावरण

जीवन पुष्प चढा चरणों में,
मांगे मातृ भूमि से यह वर।
तेरा वैभव अमर रहे माँ,
हम दिन चार रहे ना रहे।।

जैनचर्या और पर्यावरण का एक दूसरे से अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है। अर्थात एक सिक्के के दो पहलू कहे तो कोई अतिशयोक्ति नहीं। क्योंकि जैनचर्या में प्रत्येक क्रिया को अहिंसा और सत्य भाव से करने का संकल्प हमारे कल्पसूत्र व सभी गुरुभगवन्तो के मुखारविंद से हम सुनते हैं लेकिन समय की निर्बाध तीव्र गति में हम सब अपने सामाजिक मूल्य, आधारभूत सिद्धांतों व नियमों से अति दूर हो गये हैं, जिसके चलते समाज अनगिनत विकृतियों के जाल में फंसता चला गया। उल्लेखनीय है कि आज भी अन्य समाज और आमजन जैन चर्या को सम्मान व आदर से देखते हैं, क्योंकि उन्हें ये विदित है कि जैन धर्म संकल्प का पर्याय है विकल्प का नहीं, जैनत्व 'साधना, संयम और तप' को आत्मसात करने वाला है धर्म है, 'साधनों' की भरमार को नहीं। जैन धर्म पर्यावरण का क्षरण ना हो इसका पहले ध्यान रखता है। अपनी योजना को बनाने से पूर्व चिंतन करता है, ततपश्चात योजना का निर्माण करता है। आज फिर हमारे समाज को पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए आगे आकर अपनी प्रबल धर्म भावना व राष्ट्र अनुराग का प्रकटीकरण करने की आवश्यकता है। आज देश को फिर भगवान महावीर व उनकी चर्या के अनुसार जीवन यापन कर, पर्यावरण संरक्षण के इस यज्ञ में अपनी साधना व तप के बल से अनगिनत विलासितामयी इच्छाओं की आहुति देने की आवश्यकता है।

उल्लेखनीय है कि 2 अक्टूबर 2019 को गांधी जयंती के पावन अवसर पर समग्र भारत में सिंगल यूज़ प्लास्टिक कैरी बैग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की बात हमारे प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से अपने राष्ट्र के नाम सम्बोधन में उद्धृत की। इस बार देश में एक वातावरण बन रहा है प्लास्टिक के खिलाफ और सबको इस आंदोलन में अपनी सकारात्मक और रचनात्मक भूमिका निभाते हुए इसमें अपने संकल्प के साथ पूर्ण समर्थन और सहयोग करना चाहिए। हम सब भली भांति परिचित हैं कि प्लास्टिक अनगिनत बीमारियों को हमारे शरीर में जन्म देने का प्रमुख कारक है साथ में हमारी उर्वरा मिट्टी की शत्रु है, समुद्री जीव जंतुओं की प्रजातियां विलुप्त के कगार पर है, गाय माता की प्लास्टिक खाने से मृत्यु के समाचार आये दिन हम पढ़ते ही हैं।

अंतरराष्ट्रीय फोरम के अनुसार भारत में प्रतिदिन 26000 टन प्लास्टिक कचरा प्रतिदिन सृजित होता है और हम वर्ष में 52 हजार माइक्रो प्लास्टिक कणों को निगलते हैं जिसकी वजह से कैंसर, किडनी और हृदय सम्बन्धी जैसे घातक रोग आज बुखार की तरह महामारी बन कर अपना साम्राज्य विस्तार कर रहे हैं। हर साल दुनिया भर में लगभग 100 मिलियन टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है इसमें से 25 मिलियन टन ना नष्ट होने योग्य प्लास्टिक पर्यावरण में जमा हो रही है। इसके चलते पीने के पानी की स्थिति ख़राब है।

आज फिर समग्र जैन समाज को इस दिशा में अग्रगामी बन कर पर्यावरण को सिंगल यूज़ प्लास्टिक से मुक्त करने के संकल्प को सिद्धि में बदलने के लिए अपने घर से शुरुआत करने की आवश्यकता है। इसके लिए सबसे पहले तो हमें आगामी 2 अक्टूम्बर 2019 प्रस्तावित 'पल्लीवाल वार्षिक मेले एवं सामूहिक क्षमा वाणी' के पर्व से इस दिशा में एक सकारात्मक संदेश देने की आवश्यकता है। पंडाल में प्लास्टिक मुक्ति के बैनर पोस्टर लगाकर मेले की थीम eco friendly बनाने का प्रयास हमें करना चाहिए। मेले में काम आने वाले पत्तल दोने प्लास्टिक कोटेड कागज के स्थान पर प्राकृतिक पत्तों के विनिर्मित का ही उपयोग करे, प्लास्टिक के गिलास व चम्मच के स्थान पर स्टील या कागज के उपयोग में ले। दूसरा सम्मानित व पुरस्कृत होने वाले सभी प्रतिभागियों को उपहार स्वरूप ऐसी वस्तु दी जाए जो पर्यावरण अनुकूल हो, साथ में उन्हें ऐसे बैग या थैले में रखकर दिया जाए कि प्राप्तकर्ता व अन्य सभी को एक संदेश मिले। तीसरा मिनरल वाटर की प्लास्टिक बोतल के स्थान पर कांच की या स्टील की बोतल काम में ली जाए। ये मेला सभी समाजों के लिए प्रेरणा बने व आगामी माह में समाज में आयोजित होने विवाह व अन्य मंगल कार्यो में आमजन प्लास्टिक निर्मित साधनों के स्थान पर अपने यहां भी संकल्प के साथ पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को स्थान दें।

मेले को प्लास्टिक मुक्त रखते हुए एक नजीर के रूप में सम्पन्न किया जाना चहिये जिससे आमजन को प्रकृति के प्रति श्रद्धा का एक गहरा सन्देश जाए।

समाज के जन–जन को अपने व्यावहारिक जीवन में प्रकृति के प्रति सच्ची श्रद्धा रखते हुये दैनिक जीवन में काम

आने वाली सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना होगा, तभी राष्ट्र प्लास्टिक मुक्त हो पायेगा। घर से बाहर निकले तो कपड़े का बैग साथ लेकर जाएं तथा इसे अपने जीवन अभ्यास का हिस्सा बनाये। मिनरल वाटर में प्लास्टिक बोतल का उपयोग को हतोत्साहित करना होगा।

आज हमें देश की दिशा व दशा को देखकर अपनी भूमिका को और रचनात्मक बनाने की आवश्यकता है। जैन धर्म सत्य अहिंसा अस्तेय अपरिग्रह व ब्रह्मचर्य मार्ग को आत्मसात करके चलने वाला धर्म रहा है, इसलिए माँ लक्ष्मी व सरस्वती का जैन मतावलम्बियों पर पूर्ण आशीर्वाद रहा है, है और रहेगा। आज फिर हमें अपने संकल्प को प्रकटीकरण करने की महत्ती आवश्यकता है।

भारत के पर्यावरण को सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त अभियान में हमारा पल्लीवाल जैन समाज अपनी भूमिका एक पर्यावरण अनुरागी समाज के रूप में प्रकट करने के लिए कटिबद्ध है। हमारे समाज ने यदि इस दिशा में एक कदम बढ़ाया तो वो दुनिया के लिए एक उद्दीपक होगा, दुनिया में छाए घनघोर अंधकार में एक टिमटिमाता दिया जरूर बनेगा। प्रकृति को बचाना हमारा प्रथम ध्येय होना चाहिए, क्योंकि हमारा धर्म हमें 'परस्परोपग्रह जीवनाम' 'अहिंसा परमो धर्म' ये हमारे धर्म की टैग लाइन है।

आशा और विश्वास है कि जयपुर शाखा की पहल सभी के लिए एक प्रेरणा बने और जयपुर शाखा अपने दायित्व को पर्यावरण के अनुकूल बनाकर सम्पन्न करे।

'कर्ममय जीवन रचे हम
विश्व का कल्याण हो
चिर पुरातन राष्ट्र का
फिर से नया निर्माण हो
चीर संकट सागरों का
जग जयी अभियान हो'

–पवन कुमार जैन

हम हिंदी के - हिंदी हमारी

हम हिंदी के हिंदी हमारी,
हम सबकी, पहचान है।
सुनो सुनो ऐ देश के प्यारो,
भारत का अभिमान है।

अ से अनपढ़ शुरू होकर,
ज्ञ से ज्ञानी बना देती।
शब्दों से सरगम सजाकर,
जीवन गान बना देती।

कल कल करती संवादों में,
हम सबकी पहचान है।
सुनो सुनो ऐ देश के प्यारो,
भारत का अभिमान है।

दुनियावालों सुन लो तुम
हिंदी में मिठास भरी।
हर कोई इसको सीख सके
इसमे सरलता खूब भरी।

मन्द ,मधुर मुस्कान है हिंदी
हम सबकी पहचान है।
सुनो सुनो ऐ देश के प्यारों
भारत का अभिमान है।

जाति धर्म से ऊपर है ये,
राष्ट्र प्रेम की धारा है।

सद्गुणों का थाल सजा ये,
पावन गंगा किनारा है।

विश्व पटल पर उभरे हिंदी,
हम सब की पहचान है।
सुनो सुनो ऐ देश के प्यारो,
भारत का अभिमान है।

मिटटी से ये जुडी हुई है,
सब भाषाओं से है नाता।
राज भाषा है हिंदी देश की,
सोच के मैं हूं इठलाता।

भीनी भीनी खुश्बू इसकी
निजता की पहचान है।
सुनो सुनो ऐ देश के प्यारो,
भारत का अभिमान है।

हिंदी हमारी, हम हिंदी के,
हम सबकी की पहचान है।
सुनो सुनो ऐ देश के प्यारों,
भारत का अभिमान है।
भारत का सम्मान है।

–सुनीता जैन 'सुनीति'
अध्यक्ष, अ.भा.प.जैन महिला मण्डल भरतपुर शाखा

शाखा इन्दौर की एक अनुपम पहल

बारिश हमेशा हमें खुशियाँ ही नहीं देती।
कभी–कभी जिदंगी भर का गम भी दे जाती हैं।

जुलाई–अगस्त का महीना था जब सांगली महाराष्ट्र में महासंकट आया, वहाँ का हर प्राणी जल–मग्न संकट में था, पशु से मनुष्य तक, संत से भगवान तक, दूर–दूर तक अंधेरा, बेबसी, लाचारी, भुखमरी एवं मौत का तांडव था, हर एक दूसरे के दुखों को देखकर परेशान एवं भयभीत था कि आज की रात फिर कैसी गुजरेगी, तभी एक करूणा एवं दयामयी दिगम्बर साधु श्री 108 नियमसागरजी एवं आगमसागरजी महाराज का हृदयविदारक प्राणी कल्याण संदेश आया श्री 108 निर्यापक संत मुनि सुधासागर महाराज श्री के पास...। उस दुखःभरी दास्तान को सुनकर निर्यापक मुनिश्री सुधासागर महाराज ने राष्ट्र एवं विश्व के नाम करूणा का संदेश दिया, जिसने हर दयाप्रेमी को झकझोर दिया।

उसी समय इन्दौर शाखा के अध्यक्ष श्री रत्नेश जैन, मंत्री सुधीर जैन एवं प्रचार मंत्री ऋषभ जैन के निर्देशन में अ.भा.प. जैन महासभा शाखा इन्दौर का भी हृदय–कृदंन हुआ उन संकटग्रस्त महाराष्ट्र के प्राणीयों के प्रति। तब शाखा ने सुनिश्चित कर क्षमतानुसार सदस्यों के द्वारा रूपये 31000/– की सहयोग राशि एकत्रित कर उन बाढ़ पीड़ितों के लिए तुरंत ही भेजी गई, जिसमें विशेष सहयोग इन्दौर शाखा के कोषाध्यक्ष श्री राजेन्द्र जी जैन का रहा। सभी सहयोगकर्ताओं का इन्दौर शाखा आभारी है एवं धन्यवाद ज्ञापित करती है एवं सुनिश्चित करती है कि भविष्य में भी इसी तरह प्राणी कल्याण हेतु हम कार्य करते रहेंगे एवं बढतें रहेंगे...

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9899823557 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Santosh Mineral & Chemical Co.
★ S.B. Jain Mineral Enterprises
★ Super Fine Mineral Traders
★ Shree Vimal Silica Traders
★ Quality Silica Traders

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क : 098372-53305
090128-74922
05612-260096

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति द्वारा दि. 13 अक्टूबर 2019 को

भूमि पूजन, भामाशाह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

के आयोजन पर हार्दिक शुभकामनाऐं

RATAN FINANCE

Arun Kumar Jain
(M) 9414840461

Ramesh Chand Palliwal
(M) 9314878320

Himanshu Jain
(M) 9460067604

D-13 B, Govindpuri, Near Hanuman Temple,
Jyotiba Phule College Road, Swez Farm, Jaipur-302019 (Raj.)

Loan on JDA Approved Property & Gold Loan*

* Term & Conditions Apply

IT TAKES MONEY TO MAKE MONEY

मिच्छामि दुक्कडम् क्षमा वीरस्य भूषणम्

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति द्वारा
दि. 13 अक्टूबर 2019 को

भूमि पूजन, भामाशाह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

के आयोजन पर हार्दिक शुभकामनाऐं
एवं अनुमोदना

mindbox
PACKAGING SOLUTIONS

- ★ Packaging Innovation
- ★ Packaging Design & Development
- ★ New Product Development and Project Management
- ★ Product Life Cycle Management
- ★ Packaging Audit
- ★ Trademark & Patent, Barcode
- ★ Legal Advice
- ★ Artwork Approval
- ★ Specification Development
- ★ Packaging Material Sourcing
- ★ Cost Saving Initiatives via Value Engineering & Continuous Improvement

ANSHUMAN JAIN

T-1, 3rd Floor, Trade Centre 11-12, Sahakar Marg, Jaipur-302015 (Raj.)

Website : www.mindboxpackaging.com • Email : mindboxpackaging@gmail.com

Mobile: +91 98105 02473

With Best Compliments From

Authorised Distributor for

- ★ Johnson & Johnson Ltd.
- ★ SD. BIO SENSOR
- ★ Ortho Clinical Diagnostics
- ★ Lifescan-Division, for one touch Brand Glucometers & Strips.
- ★ Biorad Laboratories
- ★ Alere Medical
- ★ Transasia Biomedical Ltd.
- ★ LILAC Medicare

Sanjay Jain - Rajeev Jain

S.R. Enterprises

223, Bichoon Market, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003
Ph.: (O) 2322089, 2323903 (R) 2546017 • Fax : 0141-4022089
(M) +91-98290 12628, 94140 76265

पत्रिका सदस्यता

3018. Sh. Neeraj Ji Jain S/o Sh. Ashok Kumar Jain, 44/1033, Beedha Nagar, Behind Bodla Hospital, Shahganj Road, Bodla, Agra-282007, Mob.: 6398163141 *(CRD-2161)*

3019. Sh. Narendra Kumar Ji Jain, D-4, Ambedkar Nagar, Alwar-301001, Mob.: 9414499783 *(CRD-2164)*

3020. Sh. Satish Chand Ji Jain 40, Dayanand Colony, Dev Nagar, Tonk Road, Jaipur-302015, M. 9829056461 *(CRD-2165)*

3021. Sh. Sanjay Ji Jain S/o Sh. Om Prakash Jain (Titpuri Wale), Ward No. 2, Jain Colony, Kajodi Ka Nagla, Kherli, Dist. Alwar, Mob.: 9414793701 *(CRD-2166)*

3022. Sh. Mukesh Kumar Ji Jain Jain Petrol Pump, Laxmangarh, Alwar-321607 *(CRD-2174)*

3023. Sh. Satyendra Kumar Ji Jain H.No. 9, Vishvkarma Vatika, Shahganj Road, Bodla, Agra-282007 (U.P.), Mob.: 7520615933 *(CRD-2175)*

3024. Sh. Pradeep Kumar Ji Jain (Railway), 207, Skylark Arked, Sector-03, Avas Vikas Colony, Sikandra, Agra (U.P.) *(CRD-2176)*

3025. Sh. Satish Chand Ji Jain 85, Marwari Road, Bhopal-462001 (M.P.), Mob.: 9425643978 *(CRD-2177)*

पत्रिका सहायता

★ **श्री सुरेश चन्द जैन, महेश चन्द जैन, मुकेश चन्द जैन** 2क–369–370, शिवाजी पार्क, अलवर ने अपने पूज्य पिताजी स्व. श्री बाबूलाल जैन (शेरपुर वाले) की पुण्य स्मृति (स्वर्गवास 3.9.2019) में पत्रिका सहायता हेतु 501/– रुपये सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–2162)*

★ **श्रीमती माया जैन एवं श्री महावीर प्रसाद जैन** (हिण्डौन वाले) 126, कृष्णा नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर ने अपने विवाह की 50वीं वर्षगांठ (1 जून 2019) के शुभ उपलक्ष में पत्रिका सहायता हेतु 2100/– रुपये सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–2163)*

बधाई

श्रीमती गार्गी जैन सुपौत्री स्व. श्रीमती शकुन्तला जैन एवं श्री महावीर प्रसाद जैन (खेरली गडासिया) मानसरोवर, सुपुत्री श्रीमती संगीता जैन एवं श्री रविन्द्र कुमार जैन मालवीय नगर, अलवर का डिस्ट्रीक्ट डवलपमेंट ऑफिसर (खेडा नाडियाड गुजरात) एवं उनके पति श्री विशाल गुप्ता कलेक्टर (कोटदा गुजरात) बनने पर अ.भा.प. जैन महासभा दोनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई प्रेषित करती है।

शैजल जैन पुत्री श्री संजय जैन (बरगमा वाले) को इंद्रया–प्रियदर्शनी 12 में वाणिज्य वर्ग में करौली जिले में प्रथम स्थान चयनित होने पर 1 लाख नगद व एक स्कूटी पुरुस्कार के रूप में प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया है।

मीनल जैन सुपुत्री श्रीमती रचना जैन एवं श्री अजीत कुमार जैन (मंडावर वाले) ने आईसीएआई द्वारा आयोजित सीए इंटरमिडियेट जून 2019 की परीक्षा के दोनों ग्रुप्स को प्रथम प्रयास में 67.37% से उत्तीर्ण कर परिवार व समाज का गौरव बढ़ाया है।

अंकुश जैन सुपुत्र श्री सुरेश चन्द जैन (सदखन, ब्लॉक बिचपुरी, जिला आगरा) ने दिनांक 14 जून 2019 को रायपुर छत्तीसगढ़ में राज्य भाषा ऑफिसर (स्केल फर्स्ट) के पद पर चयनित हो समाज का गौरव बढ़ाया है।

डॉ. राकेश कुमार जैन सुपुत्र श्री कैलाश चन्द जैन, 71/325, प्रताप नगर, जयपुर को ''एन.सी.एफ.टी.ई. 2009 की समीक्षा एवं शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उसकी प्रयुक्ति : एक अध्ययन'' के टॉपिक पर डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन से पी.एच.डी. की डिग्री प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया है।

छाया जैन सुपुत्री श्री नरेन्द्र कुमार जैन एवं श्रीमती गीता जैन (खेरली वाले) सांगानेर, जयपुर ने सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सैकण्डरी एजूकेशन (सी.बी.एस.ई.) की सैकण्डरी परीक्षा में 84 प्रतिशत अंक हासिल कर समाज का मान बढ़ाया है।

अ.भा.प. जैन महासभा उपरोक्त सभी प्रतिभाओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

शाखा समाचार

महिला मंडल शाखा भरतपुर

पर्युषण पर्व के उपलक्ष में अ.भा. पल्लीवाल जैन महिला मंडल शाखा भरतपुर द्वारा आहार दान की भावना रखते हुए अपनाघर भरतपुर में गरीब, बेसहारा, मंदबुद्धि लोगों की एक यूनिट को पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस दिनाँक 26.8.19 को खाना खिलाया गया।

'अपनाघर' आश्रम लगभग 4000 लोगों का आश्रय स्थल है जहाँ हर शरणार्थी को प्रभुजी नाम से संबोधित किया जाता है। वहाँ रहने वाले बच्चों के लिए महिला मंडल के द्वारा कॉपी, पेन, पेंसिल, रबड़, टॉफी, चॉकलेट, बिस्कुट, नमकीन आदि वितरित किये गए। अपनाघर को संचालित करने वाले डॉ. बी.एम .भारद्वाज एवं डॉ. माधुरी भारद्वाज द्वारा महिला मंडल के इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया गया।

****

अजमेर शाखा के चुनाव संपन्न

दिनांक 14.9.2019 को क्षमापर्व के दिन, अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा की अजमेर शाखा के चुनाव संपन्न हुए। सर्वसम्मति से निर्विरोध निम्न पदाधिकारियों का चयन हुआ–

अध्यक्ष– श्री हरीश चन्द्र जैन, ***उपाध्यक्ष–*** श्री मुकेश जैन, ***मंत्री–*** श्री भोजराज जैन, ***अर्थमंत्री–*** श्री रवीन्द्र जैन

कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों का चयन, उपरोक्त पदाधिकारियों द्वारा, सदस्यों की सहमति से किया गया।

उपमंत्री– श्री नाथूलाल जैन, ***संगठन मंत्री–*** श्री प्रदीप जैन, ***सह अर्थमंत्री–*** श्री अक्षय जैन, ***कार्यकारिणी सदस्य–*** श्री रामअवतार जैन, श्री गणेश राम जैन, श्री धीरज जैन, श्री पदम चन्द जैन, श्री सुनील पालीवाल, श्री अनुज कुमार जैन, श्री विनय जैन, श्री ललित जैन, श्री रवीन्द्र जैन, श्री देवेन्द्र जैन, श्री कौशल जैन, श्री छगन जैन, श्री सत्येन्द्र जैन।

****

शाखा जयपुर

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा शाखा जयपुर का हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक मेला, क्षमावाणी एवं सहभोज का कार्यक्रम 2 अक्टूबर 2019 को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जावेगा, जिसमें आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

स्थान : श्री पल्लीवाल जैन भवन महावीर मार्ग, सेक्टर 12 अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर।

****

श्री 1008 श्री चन्द्रप्रभु पल्लीवाल जैन मंदिर, शक्ति नगर, जयपुर में पर्यूषण महापर्व के अन्तर्गत श्री चन्द्रप्रभु महिला मंडल, शक्ति नगर, जयपुर द्वारा कई धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं बच्चों की प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। इसी कड़ी में दिनांक 11.09.19 को सांस्कृतिक संध्या के तहत 'नेमि–राजुल विवाह प्रसंग' नाटिका का मंचन महिला मंडल की अध्यक्ष उर्मिला जैन, मंत्री रजनी जैन एवं सांस्कृतिक मंत्री रीना जैन के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर श्री प्रकाश चन्द जी जैन (बैंक कॉलोनी वालों) का मुख्य अतिथि एवं श्री संजय जैन (कंजोली वालों) का विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वागत किया गया।

क्षमा

मनुष्य का जीवन अनेक मूल्यों पर आधारित रहता है। वह उन पर चलकर जीवनोत्थान की भावना रखता है। इन आयामों में जैन दर्शन में उत्तम क्षमा धर्म को साधना की प्रथम सीढी मानता है। इस साधना में वृद्धि अपने द्वारा किये गये त्रुटिपूर्ण व्यवहार एवं पापों से पीछे हटने क्रिया करते हुए अपने व्यवहारिक जीवन को उन्नत और प्रगतिशील बनाने हेतु अपनी विवेक बुद्धि से कर्म संचित न करने प्रयास करता हुआ संचित कार्य क्षय हेतु जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाते हुए उत्तम क्षमा भाव धारण राग द्वेष से मुक्त होकर समतामय जीवन का निर्बाध सुख प्राप्त करना चाहता है।

जैन धर्म के मनीषियों जैन श्रावक के क्षमा धर्म का महत्व एक कृषक अपनी खेती में बीज बोने से पूर्व अपी जमीन से कंकर पत्थर आदि को हटाकर जमीन को उपजाऊ बनाने के जमीन जुताई करता है उसी प्रकार जैन श्रावक अपनी आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने हेतु अपने अन्तःस्थल को तथा सामने वाले क्षमा भाव स्थापित करने का प्रयास करता है।

जैन परम्परा के अनुसार 'मिच्छामि दुक्कडं' शब्द का उच्चारण कर स्वयं के अन्तःस्थल दूसरे के मन क्षमा के स्वाद से अल्हादित जीवन जीता है।

मिछामिदुक्कडं क्षमाभाव का बीज माना गया है इस शब्द के पीछे रही भावना, इसके द्वारा व्यक्त होने वाला पश्चाताप के सम्बंध में आचार्य श्री भद्रबाहु जी ने सुन्दर व्याख्या की है...

मि का भाव– मृदुता यानि अहंकार का त्याग।

छा का भाव– छादन यानि दोषों का त्याग।

मि का भाव– मर्यादा का स्थिरीकरण।

दु का भाव– आत्मा को दुत्कार (फटकार)

क का भाव– कृत पापों की मन से स्वीकृति यानि पापों का शमन।

डं का भाव– पापों का उपशमन

आवश्यकता है उच्चारण के साथ–साथ हम अंतः भाव से हम अपनी आत्मा की विशुद्धि हेतु प्रयास करें।

–सुमति चन्द जैन
खोह, अलवर

शोक संवेदना

श्री बाबूलाल जी जैन (शेरपुर वाले) 2क–369–370, शिवाजी पार्क, अलवर का दिनांक 3.9.2019 को स्वर्गवास हो गया। आप सरल स्वभाव, धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे।

श्री धर्मचन्द जी जैन (मौजपुर वाले) डी–36, हसन खां मेवात नगर, अलवर का स्वर्गवास दिनांक 15.9.2019 को हो गया है। आप मिलनसार, धर्मपरायण व्यक्ति थे। आप मृदुभाषी व समाज के कार्य के प्रति समर्पित थे।

श्री अरुण जी जैन पुत्र श्री एन.के. जैन, 37, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर का स्वर्गवास दिनांक 5.9.2019 को हो गया है। आप मिलनसार, धर्मपरायण व्यक्ति थे।

श्री सुभाष चंद जी जैन (पल्लीवाल) (सेनि. मैनेजर आर.एफ.सी.) जयपुर का स्वर्गवास दि. 16.9.2019 को हो गया है। आप मृदुभाषी व समाज के कार्य के प्रति समर्पित थे।

श्री शिखर चंद जी जैन (सैंथली वाले) का स्वर्गवास दि. 15.9.2019 को हो गया है। आप मृदुभाषी व समाज के कार्य के प्रति समर्पित थे।

श्री निहालचन्द जी जैन ठेकेदार (नेरे वाले) जी–3, पुनीत अपार्टमेंट (एक्स.), टीचर्स कॉलोनी, जयपुर हाउस, आगरा का स्वर्गवास 93 वर्ष की आयु में दिनांक 30.8.2019 को हो गया है। आप आगरा जयपुर हाउस मन्दिर समिति के कई वर्ष अध्यक्ष भी रहे और समाजसेवी, दानवीर, मृदुभाषी, श्रावक श्रेष्ठी, विद्वान, संयमी, धार्मिक, देव शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाले महान व्यक्तिव के धनी थे।

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा अपनी संवेदना प्रकट करते हुए भगवान महावीर से प्रार्थना करती है कि उपरोक्त सभी दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

सादर भावभीनी श्रद्धांजलि

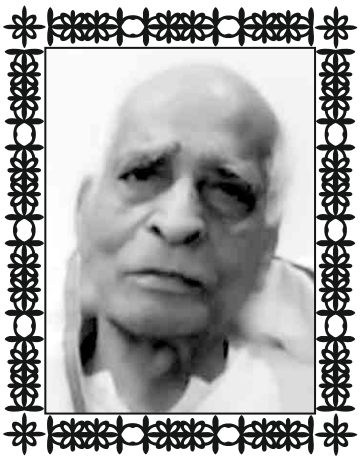

स्व. श्री निहाल चंद जी जैन ठेकेदार आगरा *(नेरे वाले)*

(जन्म : 1.05.1926) (निधन : 30.08.2019)

आपका प्रेरणामयी जीवन हमारे लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा।

श्रृद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
देवेंद्र कुमार जैन ठेकेदार (देवू)-पूनम जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
अभिनय जैन-डिम्पल जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
कृति जैन-अनुराग जैन

पुत्री-दामाद :
मालती-सुरेश चंद जैन
ललिता जैन
उषा-राजेन्द्र जैन
मधु-महेश चंद जैन
मंजू जैन
गीता-सुनील जैन

प्रतिष्ठान :
मैसर्स निहालचंद जैन एंड संस

निवास :
जी-3, पुनीत अपार्टमेंट (एक्सटेंशन), टीचर्स कॉलोनी, जयपुर हाउस, आगरा-282002
मोबाइल : 9927094685

मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः

इस पंक्ति को बोलते हुए हमारा शीष श्रद्धा से झुक जाता है और सीना गर्व से तन जाता है। यह पंक्ति सच भी है जिस प्रकार ईश्वर अदृश्य रहकर हमारे माता–पिता की भूमिका निभाता है उसी प्रकार माता–पिता हमारे दृश्य, साक्षात ईश्वर है। इसीलिए तो भगवान गणेश ने ब्रह्माण्ड की परिक्रमा करने की बजाय अपने माता–पिता शिव–पार्वती की परिक्रमा करके प्रथम पूज्य होने का अधिकार हासिल कर लिया था, किन्तु आज के इस भौतिक वाद (कलयुग) में बढ़ते एकल परिवार के सिद्धान्त तथा आने वाली पीढ़ी की सोच में परिवर्तन के चलते ऐसा देखने को नही मिल रहा है। कुछ सुसंस्कारित परिवारों को छोड़ दें तो आज अधिकांश परिवारों में बुजुर्गों को भगवान तो क्या, इंसान का दर्जा भी नहीं दिया जा रहा है। किसी जमाने में जिनकी आज्ञा के बगैर घर का कोई कार्य और निर्णय नहीं होता था। जो परिवार में सर्वोपरि थे और परिवार की शान समझे जाते थे आज उपेक्षित, बेसहारा और दयनीय जीवन जीने को मजबूर नजर आ रहे हैं यहां तक कि तथाकथित पढ़े–लिखे लोग जो अपने आप को आधुनिक मानते हैं, अपने आपको परिवार की सीमाओं में बंधा हुआ स्वीकार नहीं करते हैं और सीमाऐं तोड़ने के कारण पशुवत व्यवहार करना सीख गये हैं वे अपने माता–पिता व अन्य बुजुर्गों को ''रूढ़ीवादी'', ''सनके हुये'' तथा ''पागल हो गये ये तो'' तक का सम्बोधन देने लगे हैं।

क्या आप नहीं जानते मां–बाप ने आपके लिए क्या–क्या किया है या जानते हुये भी अनजान बनना चाहते हैं ? मैं आपकी याददाश्त इस लेख के माध्यम से लौटाने की कोशिश कर रहा हूँ।

वो आपकी मां ही है जिसने नौ माह तक अपने खून के एक–एक कतरे को अपने शरीर से अलग करके आपका शरीर बनाया है और स्वयं गीले में सोकर आपको सूखे में सुलाया है, इन्हीं मां–बाप ने अपना खून–पसीना एक करके आपको पढ़ाया–लिखाया, पालन–पोषण किया और आपकी छोटी से छोटी एवं बड़ी से बड़ी सभी जरूरतों को अपनी खुशियों, अरमानों का गला घोंट कर पूरा किया है। कुछ मां–बाप तो अपने बच्चे के उज्जवल भविष्य के खातिर अपने भोजन खर्च से कटौती कर करके उच्च शिक्षा के लिए बच्चों को विदेश भेजते रहे। उन्हें नहीं मालूम था कि बच्चे अच्छा कैरियर हासिल करने के बाद उनके पास तक नहीं आना चाहेंगे। वे मां–बाप तो अपना यह दर्द किसी को बता भी नहीं पाते। यह आपके पिता ही हैं जिन्होंने अपनी पैसा–पैसा करके जोड़ी जमा पूंजी और भविष्य निधि आपके मात्र एक बार कहने पर आप पर खर्च कर दी और आज स्वयं पैसे–पैसे के लिए मोहताज हो गये। तिनका–तिनका जोड़कर आपके लिए आशियाना बनाया और आज आप नये आशियाने के लिए उन पर भावनाओं से लबालेज उनके आशियाने को बेच देने का दवाब बना रहे हैं, उनके तैयार नहीं होने पर उन्हें अकेला छोड़कर अपनी इच्छा की जगह जाकर उन्हें दण्ड दे रहे हैं। आपने कभी सोचा है कि मां–बाप ने यह सब क्यों किया।

आपको मालूम होना चाहिए कि वे केवल इसी झूठी आशा के सहारे यह सब करते रहे कि आप बड़े होंगे कामयाब होगें और उन्हें सुख देंगे और आपकी कामयाबी पर वो इठलाते फिरेंगे। मां–बाप जो मुकाम स्वयं हासिल नहीं कर पाये उन्हें आपके माध्यम से पूरा करना चाहते हैं लेकिन बच्चे उनका यह सपना चूर–चूर कर देते हैं।

कुछ परिवारों में बुजुर्गों को ना तो देवता समझा जाता है और ना ही इन्सानों जैसा व्यवहार किया जाता है बस बुजुर्ग उपेक्षित, बेसहारा और एकान्तवास में रहकर ईश्वर से अपने बुलावे का इन्तजार मात्र करते रहते हैं।

आप सोच रहे होंगे कि हम तो ऐसा नहीं करते लेकिन मैं आपको बताना चाहुंगा कि अनजाने में आपसे ऐसा हो जाता है कि जिससे मां–बाप का दिल दुख जाता है। नीचे कुछ पंक्तियों में ऐसी ही बातें मैं आपके सामने रख रहा हूँ।

आज हम अपने आसपास किसी ना किसी बुजुर्ग महिला या पुरूष पर अत्याचार होते देखकर, ''उनका निजी मामला है'' ऐसा कहकर क्या अपनी मौन स्वीकृति नहीं दे रहे हैं ? आज कामकाजी महिलाओं की संख्या बढ़ी है यह अच्छी बात है लेकिन इसका तात्पर्य यह नहीं है कि बुजुर्ग मां–बाप आपके मात्र चौकीदार और आया बनकर रह जायें। बुजुर्ग महिला अपने पोते–पोतियों की दिनभर सेवा करे, शाम को बेटे–बहू के ऑफिस से आने पर उनकी सेवा करे। क्या इसी दिन के लिए पढ़ी–लिखी कामकाजी लड़की को वह अपनी बहू बनाती है। लेकिन क्या करे मां का बड़ा दिल वाला तमगा जो उसने लगा रखा है सभी दर्द को हंसते–हंसते सह लेती है। कभी उसके दिल के कोने में झांक कर देखो छिपा हुआ दर्द नजर आ जायेगा। यदि आप अपना कर्ज चुकाना चाहते है तो दिल के उस कोने का दर्द अपने प्यार से मिटा दो।

–आयुष जैन
सी–326, सूर्य नगर, अलवर

षष्टम् पुण्यतिथि पर
भाव-भीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री त्रिलोक चन्द जी जैन
(08/11/1930 - 02/09/2013)

हम सभी परिवारजन सजल नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धावनत

धर्मपत्नी : बिन्नोदेवी जैन

पुत्री- दामाद :
आशा जैन-देवेन्द्र कुमार जैन
मधु जैन-स्व. बिमल कुमार जैन
सुनीता जैन-राकेश कुमार जैन

पुत्र-पुत्रवधु :
स्व. जिनेन्द्र जैन-सुनीता जैन
अशोक जैन-वीना जैन

नाती-नातिन :
अभिषेक जैन-वंदना जैन
निशांत जैन-अंजलि जैन
भुवन जैन-सलोनी जैन
शिवानी जैन-मधुप जैन

पौत्र-पौत्र वधु :
निखिल जैन-रीचा जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
पूजा जैन-अमित जैन
इंदू जैन-अतुल जैन

परनाती :
सुयश, अपूर्व, विहान, अर्णव, वंश,
भूमिक, ईशान, एकलव्य

निवास : 7360 ए, शक्ति नगर, प्रेम नगर, दिल्ली-07

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री बाबूलाल जी जैन

(स्वर्गवास : 02.01.2014)

स्व. श्रीमती प्रेमलता जी जैन

(स्वर्गवास : 11.09.2003)

(शाहदरा देहली)

हम सभी परिवारजन आपको शत-शत नमन एवं स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :

पारस-कंचन जैन, शाहदरा, देहली

अनिल-लक्ष्मी जैन, जयपुर

अजय-रीता जैन, अलवर

विनय-पूनम जैन, शाहदरा, देहली

पौत्र-पौत्रवधु :

एडवोकेट कपिल-प्रियंका जैन, जयपुर

डॉ. वैभव-डॉ. शिवि जैन, वाराणासी

पौत्र, पौत्री :

डॉ. दीपक, ऐश्वर्य, विशाल, स्वाति, हर्ष

दोहिता, दोहिती :

मोहित, प्रतिभा जैन

पड़पोती :

शानवी जैन

पुत्री-दामाद :

स्नेह-नरेन्द्र जैन, रावतभाटा

ममता-प्रदीप जैन, जयपुर

पौत्री-दामाद :

मीतू-मोहित जैन, गाजियाबाद

भावना-वरूण जैन, दिल्ली

दोहती-दामाद :

कृति-विकास जैन, नोएडा

प्रेरणा-विनय जैन, ग्वालियर

महिमा-सी.ए. राहुल जैन, मुम्बई

पड़दोहिता, पड़दोहिती :

निकुंज, धवल, वर्तिका,

सम्भव, प्रनव, पहल

निवास :

57, स्कीम 8 एक्सटेंशन, गांधीनगर विस्तार, अलवर,

फोन : 0144-2702961, मो.: 9718805709

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री खैराती लाल जी जैन
(स्वर्गवास : 1 सितम्बर 2017)

स्व. श्रीमती दुर्गी जी जैन
(स्वर्गवास : 28 सितम्बर 2002)

हम सभी परिवारजन आपके प्रेरणादायक चरित्र और जीवन का स्मरण करते हुए श्रद्धा पूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

भाई :
हरिशचन्द जैन
ज्ञानचन्द जैन-विजया जैन

बहिन-बहनोई :
ललता देवी जैन *धर्मपत्नी स्व. श्री केवलचंद जैन*
आशा जैन-सुभाष जैन

पुत्र-पुत्रवधु :
ओम प्रकाश जैन-स्वर्णलता जैन
प्रेम प्रकाश जैन-सीमा जैन
जय प्रकाश जैन-शोभा जैन

पुत्री-दामाद :
मैना जैन-मुकेश जैन

पौत्री-दामाद :
नेहा जैन-कुलदीप जैन

पोता, पोती :
पराग, मनन, चित्रांश, श्रेया, प्रियल, प्रिया, धारवी जैन

नाती, नातिन :
शैफाली, आकांक्षा, चिन्तन जैन

ए-103, रणजीत नगर, 60 फीट रोड, अलवर
मो.: 9414484145, 9718890055, 8239005224

भावभीनी श्रद्धांजलि

पूजनीय पिताजी
स्व. ब्रम्हचारी श्री श्रीचन्द जी जैन
(सप्तम् प्रतिमाधारी)
(स्वर्गवास : 26.09.2012)

पूजनीय माताजी
स्व. श्रीमती प्रकाश देवी जी जैन
(स्वर्गवास : 29.06.1999)

हम सभी परिवारीजन सादर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए
आपके द्वारा बताए गये सन्मार्ग पर चलते रहने का संकल्प करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
चन्द्रमोहन जैन-शशि जैन
राजेन्द्र कुमार जैन-विमलेश जैन
मंजू जैन
संजय जैन एड.-साधना जैन
देवेन्द्र जैन-दिव्या जैन

परपौत्री, परपौत्र :
नेहा, दीपाली, भावना, दीक्षा, साक्षी, शुभम, नमन, अतिशय, हर्षित

पुत्री-दामाद :
सरोज जैन-आदेश्वर जैन
रतन जैन-राजेन्द्र जैन
आशा जैन-सुरेन्द्र जैन एड.
पुष्पा जैन
ललिता जैन-अभिनन्दन जैन
मधु जैन-सुनील जैन
बबीता जैन-कमल जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
मोनिका जैन-प्रदीप जैन

फर्म :
अनु पायल
जैन फूड इन्डस्ट्रीज
अतिशय कम्प्यूटर्स, संजय प्लेस, आगरा
अहिंसा कम्प्यूटर्स, संजय प्लेस, आगरा

निवास :
20/97, पीली कोठी, धूलियागंज, आगरा, फोन : 9411628625, 7906262462

Shubham Jain
9173803117

NAKODA FABRICS

Knitted Fabrics Dealer

42/43, Opp. Shiv Sagar Appartment, B/h. Arya Samaj Building, Saijpur Bogha, Ahmedabad-382345

Rajendra Jain
9924222840, 8866753872

NAKODA SALES

Mfg. of : Under Garments

42, Vikas Estate, Anil Starch Mill Road,
Bapunagar, Ahmedabad-380024

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **सौम्या जैन** पुत्री श्री सन्तोष कुमार जैन, जन्मतिथि 01.09.1995 (प्रातः 7:15, मुरैना), रंग गोरा, शिक्षा बी.कॉम., एम.कॉम., गौत्र : स्वयं– महला, मामा– सकीटिया, सम्पर्क : 9425418341 *(अगस्त)*

★ **डॉ. कविता जैन** पुत्री श्री राकेश कुमार जैन, जन्मतिथि 20.03.1991, कद 5'–3'', शिक्षा बी.डी.एस., गौत्र : स्वयं– खैर, मामा– अठवसिसा, सम्पर्क : 381, नया बाजार, रावतभाटा, मो.: 9983570321, 809478629 *(अगस्त)*

★ **Seema Jain** D/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 06.03.1990 (at Jaipur), Height: 5'- 2", Education: MCA, Gotra: Self- Belanvasia, Mama- Bhetariya, Contact : B-34, Karamchari Colony, Alwar, Mob.: 7891002125, 9461774268, Email: jain2218@gmail.com *(Aug.)*

★ **Ayushi Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Rajesh Kumar Jain, DoB 27.09.1994 (at 04:45 am, Agra), Height: 5'- 2", Education: MBA, Occupation: Working in Black Turtle Consultancy, Jaipur, Gotra: Self- Sarang, Mama- Kotiya, Contact: G-519, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9412487579, Email: rkjainsarang.....@gmail.com *(Aug.)*

★ **Komal Jain** D/o Sh. S.K. Jain, DoB 10.02.1991, Height: 5'- 4", Education: M.Com, CS, Occupation: Mayur Unicoaters Ltd, Jaipur as Company Secretary, Gotra: Self- Chaudhary, Mama- Athwarsia, Contact: 91/16, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9530026423 *(Aug.)*

★ **Navita Jain** D/o Sh. H.K. Jain, DoB 29.1.1992, Height 5'-2", Education- B.Com, CA IPCC (Pursuing CA Final), Presently working with Academic Research Associate of Abas Solutions Pvt. Ltd. Jaipur, Gotra : Self- Mehatiya, Mama- Maimuda, Contact : C-132, Kashi Puri, Bhilwara, Mob.: 8847077692 *(Aug.)*

★ **Priyanka Jain** D/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 29.05.1991 (at 4.35 pm), Height 5'-4", Education- B.Tech (CS), Occupation: Software Engineer in Barclays Pune, Income: 10.00 LPA, Gotra : Self- Chourbambar, Mama- Salavadiya, Contact : 403, Patrkar Colony, Near Manasarover, Jaipur, Mob.: 9468584165, 9414937532, Email : jainjp8430@gmail.com *(Aug.)*

★ **Swati Jain** D/o Sh. Mahesh Jain, DoB 26.06.1992 (at 01:30 P.M, Agra) Height 5'-1", Education- B.Tech (CS), Occupation- Consultant, Profuse HR Consultancy, Noida, Gotra : Self- M.Chaudhary, Mama- Rajoria, Contact : 9927100865, 9917474381, Email : mahesh.jain1@sbi.co.in *(Aug.)*

★ **Ritu Jain** D/o Sh. Santosh Jain, DoB 29.04.1991 (at 12:30AM), Height 5'-2", Fair Colour, Education M.A. (Hindi), Practicing of Stenography, Preparing for Govt Job, Gotra : Self- Baderiya, Mama- Badwasiya, Contact : E-269, Mansarovar Colony, Kala Kuan, Alwar (Raj.), Mob.: 8104423381, 8209718443 *(Aug.)*

★ **Dr. Pallavi Jain** S/o Dr. Rajesh Jain, DoB 11.05.1995 (at 3:25 pm, Allahabad), Height- 5Ft., Fair & Good Looking, Education- BDS (Teerthankar Mahaveer Dental College & Research Centre), Gotra : Self- Bhudelewal Sahu, Mama- Bhehatariya, Contact : 813, Rudra Akriti Apartment, Arail Chauraha, Naini, Allahabad-211008, Mob.: 9336578846, 8318937520 *(Aug.)*

★ **Megha Jain** (Manglik) D/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 23.07.1993 (at 10:20 am, Alwar), Fair Complexion, Education- B.Com, Pursuing CA Final, Gotra : Self- Athwarsia, Mama- Ambia, Contact : FN 001, Galaxy Appartment, New Friends Colony, Jaipur Road, Alwar, Mob.: 9413025049, 7014958699 *(Aug.)*

★ **Priya Jain** D/o Sh. Anil Jain, DoB 26.02.1996, Height- 5'-2", Fair Colour, Education B.Sc. and Diploma in Accounting, Occupation- Business (GST Account Training Sansthan) in Jaipur House Market, Agra, Gotra : Self- Chandpuria, Mama- Lohkarodiya, Contact : B-33, Janakpuri, New Sahaganj, Agra, Mob.: 9897012342 *(Aug.)*

★ **Sonali Jain** D/o Sh. Ajay Kumar Jain, DoB 26.03.1994 (at 9:35 am, Agra), Height- 5'-5", Education B.Tech (CS), Gotra : Self- Chorbambar, Mama- Barolia, Contact : E-96, Pratap Nagar, Jaipur House, Agra, Mob.: 9690053777, 9690053063 *(Aug.)*

★ **Deeksha Jain** D/o Sh. Subhash Jain, DoB 04.06.1994 (at 05:45 AM, Jaipur), Height 5'-4", Wheatish Complexion, Education Master of Science in Biotechnology, IIT Roorkee, Currently Working as

Junior Research Fellow (JRF), IIT Delhi, Gotra : Self- Kher, Mama- Rajoriya, Contact : 9818994571, 9588082025, Email : saurabh4768jain@gmail.com *(Aug.)*

★ **Apeksha Jain** D/o Sh. Naresh Kumar Jain, DoB 15.04.1996, Height 5'-7", Wheatish Complexion, Education B.Sc., B.Ed., Gotra : Jantharia, Contact : Netraheen Vikas Sansthan, D-Sector, Kamla Nehru Nagar, Jodhpur, Mob.: 9460649839 *(Aug.)*

★ **Babita Jain** D/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 10.01.1993, Height 5'-3", Fair Colour, Education M.A. Final, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Maimuda, Contact : V/P Gahnoli, Teh. Mahwa, Dist. Dausa *(Aug.)*

★ **Lipi Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Nalin Kumar Jain, DoB 10.11.1992 (at 02:38 pm, Jaipur), Height 5'-3", Education B.Tech. (CS), Working in Pvt. Company on a package 3.50 LPA, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Maimuda, Contact : 9460765484, 9460434712 *(Sep.)*

★ **Yukta Jain** D/o Sh. Satyendra Kumar Jain, DoB 16.11.1993 (at 9:35am, Agra), Height 5ft., Education M.Com., B.Ed., Profession- Teacher, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kotiya, Contact : H.No. 9, Vishvkarma Vatika, Shahganj Road, Bodla, Agra, Mob.: 7520615933, 9410857876 *(Sep.)*

★ **Pushpanjali Jain** (Kukki) D/o Sh. Ashok Jain, DoB 05.08.1989 (at Alwar), Height 5'-5", Education M.Tech (Digital Electronic) Gate Score, Pursing Govt. Job Competitions, Gotra : Self- Mastdengiya Choudhary, Mama- Sarngdengiya, Contact : 422, Lajpat Nagar, Alwar, Mob.: 9413024271, 9461334271, Email : ashokjainschalwar@gmail.com *(Sep.)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh. J.K. Jain, DoB 23.09.1993 (at 7:55 AM, Gangapur City), Height- 5'-2", Occupation- Senior Associate, HR, Mindtree Ltd, Bangalore, Education- MBA (XIME, Bangalore), B.Tech (RCEW, Jaipur), Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Chaudhary, Contact : E-1/325, Chitrakoot, Gandhi Path, Jaipur-302021, Mob.: 9887734133, 87694 21338 *(Sep.)*

★ **Astha Jain** D/o Late Sh. Vinai Kumar Jain, DoB 30.12.1989 (at 09:15 pm, Farrukhabad), Height 5'-3", Education- B.Tech., Working in TCS (Package Rs 10LPA), Gotra : Self- Salawadia, Mama- Badwasia, Contact : 2/414, Aravali Vihar, Alwar, Mob.: 9560035236, 7597572759, Email : arihant.arihant@gmail.com *(Sep.)*

★ **Divya Jain** D/o Sh. Naresh Chandra Jain, DoB 11.04.1994 (at 10:35 am, Anand, Gujarat), Height 5'-4" , Education- Bachelors in Computer Engineering, Working in Private Company, Ahemdabad, Gotra : Self- Sarang, Mama- Thakuria, Contact : 17, Krishana Park Society, Chavdapura, Jitodia Road, Anand, Gujarat, Mob.: 8200605454, 9427549521, Email : nareshjain6760@gmail.com *(Sep.)*

★ **Pratibha Jain** D/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 20.02.1993 (at 4.30 pm, Jaipur) Height 5'-2", Education- B.Tech. (ECE), Occupation- Jr. Assistant, Ground Water Deptt. Jaipur, Gotra : Self- Nangeshwariya, Mama- Ambia, Contact : 75/215, Sector 7, Pratap Nagar, Jaipur, Mob.: 9571701507, 8385026055 *(Sep.)*

★ **Sapna Jain** D/o Sh. Mahendra Kumar Jain, DoB Oct. 1991, Height 5'-3", Fair Color, Education- M.Com, Job- Silver Export House, Jaipur, Gotra : Self- Kotia, Mama- Bhamaria, Contact : 9314851301 *(Sep.)*

★ **Yamini Jain** D/o Sh. Bharat Bhushan Jain, DoB 23.12.1992 (at 10:34 am, Alwar), Height 5Ft., Education- BBA, Occupation- PO in Bank of Maharashtra, Gotra : Self- Bairasthak, Mama- Barolia, Deficiency in Both Hands, Contact : 4, Maglanser Circle, Vijai Mandir Road, Alwar, Mob.: 9928653997 *(Sep.)*

★ **Shikha Jain** D/o Sh. Pavan Jain, DoB 07.05.1992 (at 08:07 am, Alwar), Height 5'-7", Education- CA, B.Com., Working with Price Waterhouse Copper & Co. LLP, Gurgaon, Salary- 15 LPA, Gotra : Chaudhary, Contact : 1/544, Aravali Vihar, Kala Kuan, Alwar, Mob.: 9414020800 *(Sep.)*

★ **Deepali Jain** (Manglik) D/o Sh. Ajeet Kumar Jain, DoB 31.10.1992, Height 5'-1", Education- B.Tech., M.Tech (EC), Working with ICICI Bank Hindaun City, Contact : Sh. Ajeet Kumar Jain, Opp. Chandra Sec. School, Hindaun City, Dist. Karauli-322230, Mob.: 9414400944 *(Sep.)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **श्री अजय जैन** पुत्र श्री अशोक जैन, जन्मतिथि: 01.07.1987, लंबाई 5'–6'', शिक्षा 10वीं, स्वयं का व्यवसाय, आय 50000/– प्रति माह, गोत्र : स्वयं– नगेश्वरिया, संपर्कः बस स्टैंड गढ़ी सवाई राम, अलवर, मो. 9950019240, 8003129612 *(अगस्त)*

★ **मोहित जैन** पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार जैन (रावतभाटा), जन्म तिथि 16.12.1992 (प्रातः 7.40 बजे, रावतभाटा), कद– 5 फुट 9 इंच, कार्यरत डिप्टी मैनेजर INDUS IND बैंक मुम्बई, गोत्र : स्वयं– अमेश्वरी, मामा– माईमुड़ा, संपर्क : 9414668603, 01475235258 *(अगस्त)*

★ **पारस जैन** पुत्र स्व. श्री अनिल कुमार जैन, जन्मतिथि 23.07.1991 (प्रातः 6 बजे, आगरा), कद– 5'–5'', शिक्षा– बी.कॉम, स्टॉक फाइनेंसियल एनालिस्ट, गौत्र : बड़वासिया, संपर्क : सुनील जैन, पूर्व पार्षद, लोहामंडी, आगरा, मो.: 9457950639, 9927083221, ईमेल : suniljain9927@gmail.com *(अगस्त)*

★ **रजत जैन** पुत्र श्री शरद जैन, जन्मतिथि 22.09.1993 (रात्रि 11:30 बजे), कद– 5'–9'', गेहुंआ रंग, शिक्षा– बी.टेक, एम.आई.टी. इन्दौर, नौकरी– मैनेजर, एमेजॉन,

देहली, पैकेज– 8.5 लाख वार्षिक, गौत्र : स्वयं– महिला, मामा– कुनार्वया (जैसवाल), संपर्क : शान्तीनाथ क्लोथ स्टोर, अम्बाह, जिला मुरैना, मो.: 9977125802 *(अगस्त)*

★ **विवेक जैन** पुत्र श्री महेश चंद जैन, जन्मतिथि 12.03.1988 (सायं 7:35 बजे, हिण्डौन सिटी), कद 5'–9'', शिक्षा– स्नातक, प्राईवेट बैंक सर्विस (4 लाख वार्षिक), गौत्र : स्वयं– आमेश्वरिया, मामा– चौरभमार, संपर्क : 55, विष्णु गार्डन कॉलोनी, सांगानेर थाना, टोंक रोड, जयपुर, मो.: 9460124713, 9461210084 *(अगस्त)*

★ **सिद्धार्थ जैन** सुपुत्र प्रो. एस.के. जैन, जन्मतिथी 06.10.1992 (प्रातः 9:05, भरतपुर), शिक्षा बीई, एम.टेक, लम्बाई 5'–9'', आय 4.00 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– चौरबम्बार, मामा– माईमूडा, सम्पर्कः सी–12/29, महानन्दा नगर, उज्जैन (म.प्र.), मो. 9425379097, 9414023186 *(सितम्बर)*

★ **चिराग जैन** (आंशिक मांगलिक) पुत्र श्री भारत भूषण जैन, जन्मतिथि 08.06.1988 (रात्रि 11:30 बजे, भरतपुर), कद– 5'–11'', शिक्षा– एम.सी.ए., जॉब– नैक ग्लोबल प्रा.लि. सीतापुरा, जयपुर में नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर के पद पर कार्यरत, आय– 3.90 लाख वार्षिक, गोत्रः स्वयं– मूढा, मामा– चौरबम्बार, सम्पर्कः 121–122, पशुपतिनाथ नगर, प्रताप नगर, जयपुर, मो.: 9828234847 *(सितम्बर)*

★ **जयेषु जैन** पुत्र श्री सुरेश चन्द जैन, जन्मतिथि 12.10.1995, कद– 5'–7'', शिक्षा– बी.एस.सी, व्यवसाय– दुकान, गोत्रः स्वयं– सारंगडगिया, मामा– जयपतिया, सम्पर्कः मैन बाजार, मिढाकुर, आगरा– 283105, मो.: 9568598982, 8650047804 *(सितम्बर)*

★ **अभय जैन** पुत्र श्री प्रकाश चन्द जैन, जन्मतिथि 25.02.1989, कद– 5'–8'', सरकारी नौकरी (LDC II Grade) अतिरिक्त रजिस्ट्रार कार्यालय भरतपुर, गोत्रः स्वयं– पावटिया, मामा– राजोरिया, सम्पर्कः रणजीत नगर, भरतपुर, मोबाईल : 9460108635, 8952874989 *(सितम्बर)*

★ **Deepak Jain** S/o Sh. Makkhan Lal Jain, DoB 23.02.1993 (at 9:15 am, Hindaun), Height- 5'-8", Education- B.Tech, Profession- AnkTech Software Pvt. Ltd. (Jaipur), Income 54,000/- per month, Gotra : Self- Divariya, Mama- Nangesuriya, Contact : Karamchari Colony, Kishan Nagar, Block-E, Hindaun City-322230, Mob.: 7597140603, 9461100169 *(Aug.)*

★ **Bhanesh Jain** (Bhanu Jain) S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 27.07.1989, Height- 5'-4", Education- DRT (Diploma in Radiation Technology), Profession- Working as Radiographer in Govt. TV Hospital, Jaipur, Gotra : Self- Nangesuria, Mama- Rajoriya, Contact : Near New Telephone Exchange, Siddhartha Nagar, Hindaun City, Karauli-322230, Mob.: 9413182622, 9460441986, Email : bhaneshjain@gmail.com *(Aug.)*

★ **Vijay Jain** (DevkiNandan) (Divorcee) S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 11.11.1985 (at 12.45pm, Hindaun City), Height- 5'-8", Education- MCA (IIIM Mansrover, Jaipur) in IGNOU, Profession- Working at Triazine Software Pvt. Ltd. as Software Engineer, Income- 6 LPA, Gotra : Self- Nangesuria, Mama- Rajoriya, Contact : Near New Telephone Exchange, Siddhartha Nagar, Hindaun City, Karauli-322230, Mob.: 9468585522, 9460441986, Email : jain.vijay605@ gmail.com *(Aug.)*

★ **Saurabh Jain** S/o Sh. Yogesh Jain, DoB 16.12.1989 (at 02:31 pm, Agra), Height: 5'- 8", Education: B. Tech, Occupation: Guard (Train Manager) in Indian Railway (Govt. Job), Gotra: Self- Sarang, Mama- Nageshwaria, Contact: 15, Subhash Nagar, Near Maruti Estate, Bodla, Agra, Mob.: 7520519414, 8410756875 *(Aug.)*

★ **Vivek Jain** S/o Sh. Teekam Chand Jain, DoB 20.12.1991 (at 12:50 am, Agra), Height: 5'- 5", Education: MCA, Occupation: Software Engineer, Income: 7.00 LPA, Gotra: Self- Salawadiya, Mama- Bayaniya, Contact: Flat No. 204, Krishna Appartment Welfare & Residence, Belanganj, Agra, Mob.: 9834055279, 9557706416 *(Aug.)*

★ **Anshul Jain** (Manglik), S/o Sh. Trilok Chand Jain, DoB 01.03.1993 (at 02:35 pm, Alwar), Height: 5'- 10", Education: B.Com, Occupation: Government Service (Punjab National Bank), Gotra: Self- Bhadkolia, Mama- Atawasiya, Contact: 2-K-516, Shivaji Park, Alwar, Mob.: 9636533437, 9887797587, Email: anshrocks617@gmail.com *(Aug.)*

★ **Ravindra Jain** S/o Sh. Harendra Kumar Jain, DoB 10.06.1993 (at Achnera, Agra), Height 5'-4", Education- B.E (Information Technology), Occupation- Working as Software Engineer at Delhi (DCB Bank), Grade- Deputy Manager, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Rajauria, Contact : 1438, Mohan Girara, Achnera, Agra, Mob.: 9410205323, 7895852453 *(Aug.)*

★ **Nivesh Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 07.08.1995, Height- 5'-6", Working In Punjab National Bank as a Clerk at Tizara, Gotra : Ambia, Contact : 1/225, Kala Kua Housing Board, Alwar, Mob.: 9413739054, 9950087666, 9413455347 *(Aug.)*

★ **Ankur Jain** (Manglik) S/o Sh. Ramesh Chand Jain, DoB 31.07.1987 (at 6:50 pm, Agra), Height 5'-9", Education- Dipl. in Auto Eng., M.Sc., B.Ed. Occupation- Sr. Executive Technical, Surveyor in Bharti Axa, Lucknow, Income: 4 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Sengarwasia, Mob.: 9258065928 *(Aug.)*

★ **Kushal Jain** S/o Sh. Vinod Jain, DoB 23.12.1991 (at

07:11 am, Agra), Height 5'-8",Education- B.Tech (IT), Job- EXL Services Pvt. Ltd. Noida as Sr. Software Engg. & Developer, Gotra : Self- Kotia, Mama- Garg, Contact : 9528032733, 9897717596, Email : vinodkumarjainagra@gmail.com, kushaljain63@gmail.com *(Aug.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Mahesh Jain, DoB 30.07.1990 (at 11:55 AM, Agra), Height 5'-7", Education- B.Tech (CS), Occupation- Sr. Software Engineer at SHELL, Bangluru, CTC 19.8 LPA, Gotra: Self- M.Chaudhary, Mama- Rajoria, Contact : 9927100865, 9917474381, Email : mahesh.jain1@sbi.co.in *(Aug.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 24.07.1994 (at 02:00 am, Nagaur), Height 5'-10", Education- B.Com, Occupation- Business (Hosiery Cloth Mfg.), Income- 10 LPA, Gotra : Self- Baderiya, Mama- Lehdodiya, Contact : 29, Avkash Society, B/H. Navlakkha Bunglow, Bapunagar, Ahmedabad, Mob.: 9924222840, 8866753872, 9067349501, 7201053106 *(Aug.)*

★ **Kshitij Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 25.10.1989 (at 6:45 AM, Delhi), Height- 5'-11", Education- MCA, Working in an IT MNC in Noida, Salary 9.50 LPA, Gotra : Self- Vairashtak, Mama- Januthariy, Contact : F-1202, Pearl Court, Ramprastha Greens, Vaishali, Ghaziabad, Mob.: 9871981382, Email : sjainchand@gmail.com *(Aug.)*

★ **Shashank Jain** (Manglik) S/o Sh. Sunil Jain, DoB 23.01.1991 (at 3:50 am, Kota), Height- 6'-2", Education- B.Tech (Computer Science), Working as Senior Associate in Sapient Gurugram, Founder - Vegan Basics, Twistz Shoes, Gotra : Self- Badwasiya, Mama- Garg, Contact : 21/93, Loha Mandi, Agra, Mob.: 9927339927, 9412487024, Email : suniljain9927@gmail.com, Instagram : @shashankonweb *(Aug.)*

★ **Ankush Jain** S/o Sh. Anoop Kumar Jain, DoB 11.02.1993 (at 07:08 AM, Firozabad), Height- 5'-7", Fair Complexion, Education- B.Com, M.Com, Computer Course, Occupation- Assistant Manager in Axis Bank in Gurgaon, Salary- 3 LPA, Gotra : Self- Thakuria, Mama- Chaudbambar, Contact : Jain Nagar, Khera, Firozabad, Mob.: 9411965077, 6395600644 *(Aug.)*

★ **Piyush Jain** S/o Sh. Rajesh Kumar Jain, DoB 23.05.1991 (at 07:20 pm), Height 5'-3", Education- B.Tech (Mechanical), Fair Colour, Salary 4.50 LPA, Gotra : Self- Ambia, Mama- Badwasiya, Contact : Ambia Sadan, Civil Line, Alwar, Mob.: 9413739070 *(Aug.)*

★ **Dr. Abhishek Jain** S/o Dr. Rajesh Jain, DoB 30.7.1990 (at 5:20 am, Allahabad), Height- 5'-6", Fair & Good Looking, Education- MBBS-2010 Batch (MLN Medical College, Allahabad), 3rd Year Post Graduate in MD Pediatric (Lady Hardinge Medical College, New Delhi), Gotra : Self- Bhudelewal Sahu, Mama- Bhehatariya, Contact : 813, Rudra Akriti Apartment, Arail Chauraha, Naini, Allahabad-211008, Mob.: 9336578846, 8318937520 *(Aug.)*

★ **Kapil Kumar Jain** S/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 04.03.1993 (at 11:30 am, Jaipur), Height- 5'-5", Education- Polytechnic Diploma (Mechanical Engineering), Occupation- Working in Private Company In Jaipur, Income- 2.40 LPA, Gotra : Self- Kher, Mama- Nangesariya, Contact : 245, Shiv Colony, Mehandipur Balaji (Dausa), Mob.: 9829428416, 9784761984, 8955011011 *(Aug.)*

★ **Raunak Jain** S/o Sh. R.K. Jain, DoB 21.01.1991 (at 7:33 AM), Height 5'-8", Education- B.Tech in Computer Science, Occupation- Senior System Engineer in Accenture Pune, Package 9.2 LPA, Gotra : Self- Dhati, Mama- Goyal Agrawal, Contact : 3B8, C.H.B. Jodhpur, Mob.: 9828384341, 9587683776, 9783099096, Email : jainraunak21@gmail.com *(Aug.)*

★ **Nitesh Jain** (Barmecha) S/o Sh. Ashok Jain Barmecha, DoB 18.10.1985 (at 4:00 am, Kishangargh), Height- 5'-8", Education- 8th Class, Business- Self Employed, Gotra : Self- Barmecha, Mama- Shaymsukha, Contact : B-1009, Palam Vihar, Gurgaon-122017, Mob.: 9711587242, Email : cauttam008jain1989@gmail.com *(Aug.)*

★ **Varun Kumar Jain** S/o Sh. Rishabh Kumar Jain, DoB 22.09.1988 (at 10:32 pm, Agra), Height 5'-7", Fair, Good Looking, Education- B.B.A., PGDM & MBA, Occupation- Assistant Accountant in Roger Industries Ltd, Agra, Gotra : Self- Kashmiria, Mama- Nangesuria, Contact : 46, Laxmi Nagar, Behind Sikandra Hospital, Sikandra, Agra-282007, Mob.: 9897705251, 9027643375, 9897929854, Email : tarun.9000@yahoo.co.in, varunj23@gmail.com *(Aug.)*

★ **Prince Kumar Jain** (Manglik) S/o Sh. Yogesh Chand Jain, DoB 02.03.1989, Height 5'-6", Education- MBA,Working as Relationship Officer (Finance) in AU Finance India Ltd., Alwar, Package 4 LPA, Gotra : Self- Bayaniya, Mama-Maimunda, Contact : C-326, Surya Nagar, Alwar, Mob.: 9414857271 *(Aug.)*

★ **Harendra Jain** S/o Sh. Vishamber Dayal Jain, DoB 31.10.1990 (at 7:10 am, Alwar), Occupation- Assistant Manager, AU Bank, Alwar, Package- 4.2 LPA, Gotra : Self- Ameshwari, Mama- Kotiya, Contact : VPO Alawara, Teh. Ramghar, Alwar, *(Aug.)*

★ **Sulabh Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 15.3.1984, Height 5'-6", Education- B.Ed, MCA, Occupation- Working in Software Company, Gotra : Self- Ambia, Mama- Salavadia, Contact : A-31, HKM Nagar, Alwar, Ph.: 0141-2731761, Mob.: 9460601259, Email : jain31satish@gmail.com *(Aug.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, Dob 8.11.1988 (at 11:17 Pm), Height- 6'-1", Education B.Com, M.Com, MBA (Finance), CA Final (pursing), Occupation- Working as Credit Manager in AU Small Finance Bank Ltd, Jaipur, Income- 4.90 LPA, Gotra :

Self- Baroliya, Mama- Sangarwasi, Contact : B-262, Hari Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Mob.: 9414044422, 9414775486, Email : abhijn8@gmail.com *(Aug.)*

★ **Manish Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain (Bayana Wale), DoB 05.02.1988 (at 9:36 PM, Bayana), Height 5'-5", Education Diploma & B.Tech in Civil from Jaipur, Occupation- Service as a Civil Engineer in Jaipur, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Lohkirodia, Contact : A-95, First Floor, Shri Radha Puram, NH-2, Mathura, Mob.: 9837899974, 7500371444, 7500254444, Email : manoj.jain42@gmail.com *(Aug.)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Surendra Kumar Jain, DoB 30.07.1992 (at 11.00 PM), Height- 5'-7", Fair Colour, Educational- M.Com., Occupation- Consultancy in the field of Taxation IncomeTax, GST other work related to taxation, Gotra : Self- Lohkarodia, Mama- Salavadiya, Contact : C-158, Ranjeet Nagar, Bharatpur-321001, Ph.: 05644-237035, Mob.: 9413309050 *(Aug.)*

★ **Abhishek Kumar Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 22.03.1988 (at 1.00 A.M., Karauli), Height 6Ft., Education B.A, Master in network Administration from Jetking, Occupation- Senior Technical Engineer in Hathway Internet Datacom Pvt Ltd. (Powered by Reliance Jio) Surat, Package- 4 LPA, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Lohkoria, Contact : Seth Godam Near Sainath Khidkiya Karauli, • I-201, Shiv Residency, Rander Road, Adajan, Surat, Mob.: 9352058770, 9460652390, Email : abhi.sittu@gmail.com *(Aug.)*

★ **Rahul Jain** S/o Late Sh. Daya Chand Jain, DoB 11.07.1993 (at 07:25 AM, Harsana, Laxmangarh-Alwar), Height 5'-11", Wheatish Complexion, Education- M.Com, CA (IPCC), Occupation- Assistant Manager at Rajasthan Marudhara Gramin Bank, Gotra : Kotiya (Self) , Bhordhangiya (Mama) , Contact : 5/52, N.E.B Housing Board, Behind Krishi Upaj Mandi, Alwar, Mob.: 9414334467, 9875114063, 9252305910 (Mother), Email : rtmjain@gmail.com *(Aug.)*

★ **Akash Jain** S/o Sh. Subodh Jain, DoB 10.10.1991 (at 05:20 PM), Height 5'-11", Fair Colour, Education- M.Tech. in Digital Communication, Occupation- Owner and Partner of Index Education (Coaching Institute), Gotra : Self- Saranga, Mama- Chaudhary, Contact : 2, Amba Vadi Colony, Behind Dada Vadi Temple, Ajmer, Mob.: 9530462120 *(Aug.)*

★ **Rohit Kumar Jain** S/o Sh. Ajeet Kumar Jain, DoB 18.06.1986, Height 5'-4", Fair Colour, Education- B.A., Occupation- Self Business, Income- 7.5 LPA, Gotra : Self- Kher, Mama- Vyaniya, Contact : Jain Sadan, Behind N.T.C. Church, Rawatbhata via Kota, Mob.: 9309044327, 9610777705, Email : jainr1406@gmail.com, ritikj05@gmail.com *(Aug.)*

★ **Sudhir Jain** S/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB 17.03.1988 (at Alwar), Height- 5'-11", Education- M.Com., MBA, LLB, Occupation- Working in NBC Bearing, Jaipur (CK Birla Group), Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary, Contact : 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10A, Alwar-301001, Mob.: 9982154002 *(Aug.)*

★ **Akshay Jain** S/o Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 24.09.1993 (at Bharatpur), Height- 5'-6", Education- Engineering of EEE from Bter University Alwar, Occupation- System Engineer at Wipro Limited, Gotra : Self- Bhetariya, Mama- Janotariya, Contact : 44, Nemi Chand Market, Loha Mandi, Mandi Mod, Alwar-301001, Mob.: 9983557557, Email : aksjain97@gmail.com *(Aug.)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Anoop Chand Jain, DoB 15.06.1985 (at Agra), Height- 6ft., Education- M.Com, MBA, Occupation- Business (Oil Mill Machine & Machinery Parts), Income- 6-8 LPA, Gotra : Self- Chaubambar, Mama- Barwasia, Contact : 68, Near Jeevan Jyoti Hospital, Avas Vikas Colony, Sector-1, Bodla, Agra, Mob.: 9412261831, 9870978410 *(Sep.)*

★ **Sameer Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 20.11.1986 (at Alwar), Height- 6ft., Education B.Tech (IT), Occupation- Software Engineer in Jaipur, Gotra : Self- Mastdengiya Choudhary, Mama- Sarngdengiya, Contact : 422, Lajpat Nagar, Alwar, Mob.: 9413024271, 9461334271, Email : ashokjainschalwar@gmail.com *(Sep.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Ramesh Chand Jain, DoB 14.10.1990 (at 4:55 AM, Dausa), Height- 5'-6", Education- B.Tech (EC), Occupation- Working in Ministry of Finance, Department of Revenue, Govt. of India as "Customs Officer" in Mumbai, Salary- 77,000 per month, Gotra : Self- Khair, Mama- Behattariya, Contact : Shiv Colony, Mehandipur Balaji, Dausa, Mob.: 9413049360, 9929271420, 8432785587 (WhatsApp) *(Sep.)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. J.K. Jain, DoB 21.05.1991 (at 6:55 AM, Gangapur City), Height- 6ft., Occupation- Data Analyst, Vertice Cloud, Dublin, Ireland, Education- Master of Science (NCI, Ireland), B.Tech (Jaipur), Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Chaudhary, Contact : E-1/325, Chitrakoot, Gandhi Path, Jaipur-302021, Mob.: 9887734133, 87694 21338 *(Sep.)*

★ **Dr. Deepak Jain** (Manglik, Divorced) S/o Shri Anil Kumar Jain (RAS), DoB 07.09.1985 (at 5:30pm, Delhi), Height 5'-11", Education- B.Tech and M.Tech from IIT Delhi, Ph.D from The Netherlands (Europe), Occupation- Head of Research Department in Golcha Associates Group at Jaipur, Income- 20 LPA, Gotra : Self- Maimuda, Mama- Barolia, Contact : 618, Surya Nagar, Gopalpura Bypass, Jaipur, Mob.: 9413156915, 9828025800, Email : djiitdjpr@gmail.com *(Sep.)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Manoj Mohan Jain, DoB 08.06.1994 (at 11:55 am, Agra), Height 5'-7", Education- CA, Service- ICICI Bank, Delhi, Contact : Sector 6C 612, Avas Vikas Colony, Agra, Mob.:

9412372816, 9412315497 *(Sep.)*

★ **Neeraj Jain** S/o Sh. Hemraj Jain, DoB 11.01.1992 (at 8:29am, Jaipur), Height-5'-9", Education- B.Phar. (Ayu.), Occupation- Sr. Pharmacist (Central Government Ccras), Vijayawada (A.P), Gotra : Self- Kasmiriya, Mama- Baderia, Contact : 204, 4th Floor, T-1, Maa Hinglaj Nagar-B, Lalarpura Road, Gandhi Path West, Vaishali Nagar, Jaipur, Mob.: 8104495605, 9694032002 *(Sep.)*

★ **Alankrit Jain** S/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 04.08.1990 (at 03:12 PM, Agra), Height 5'-11", Education B.Com, Occupation- Own Business (Trading of Imported Tin Plate Sheets & Manufacturing of Tin Factory Product), Income- 8-10 LPA, Gotra : Self- Salavadia, Mama- Deveriya, Contact : F-823/6, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9412261738, Email : atc1987@rediffmail.com *(Sep.)*

★ **Anurag Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 23.03.1992 (at 11:26 pm), Height 5'-9.5" , Education- M.Tech.(IT) from IIIT Allahabad, Occupation- Assistant Professor in Govt. Engg. College, Ajmer, Salary- Rs.71,000 per month, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Baroliya, Contact : Seth Godam, Sainath Khirikiya, Karauli, Mob.: 9460952470, 9461152595 *(Sep.)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 25.06.1993 (at 6:40 pm, Bharatpur), Height 5'-11", Education- BA, Occupation- Business (Medical Shop), Income- 6.5 LPA, Gotra : Self- Kheir, Mama- Shreepat, Contact : B-16, Jawahar Nagar, Bharatpur, Mob.: 9461160941, 9414944930 *(Sep.)*

★ **Vivek Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 07.04.1992 (at 6:10 Pm, Mathura), Height 5'-7", Education- B.Tech. (Civil), SRM University (Chennai), Occupation- Working in Kuber Enterprises Pvt. Ltd. (Meja NTPC Allahabad), Income- 5.75 LPA, Gotra : Self- Kheir, Mama- Shreepat, Contact : B-16, Jawahar Nagar, Bharatpur, Mob.: 9461160941, 9414944930 *(Sep.)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. Subhash Chand Jain, DoB 12.10.1993 (at 11:17 pm, Navgaon Distt. Alwar), Height 5'-11", Education- B.Tech (Electrical Engg.), Occupation- Working in Finetellix Solutions (Bangaluru), Income- 6.25 LPA, Gotra : Self- Shreepat, Mama- Kotia, Contact : 08, Gupta Colony, Jawahar Nagar, Near Delhi Road, Alwar, Mob.: 9828227339, 9739748225, 8058299349, Email : subhashfsd@gmail.com *(Sep.)*

★ **Aman Jain** S/o Sh. Sunil Jain, DoB 06.04.1992 (at 1:05 AM, Jaipur), Height- 5'-10", Education- B.Tech. (Elect. Engg.), Occupation- Self Business, Gotra : Self- Athavarsia, Mama- Maimooda, Contact : G-11, Rose, Mangalam Ananda City, Near Sanganer Railway Station, Sanganer, Jaipur-302029, Mob.: 9461303303, 8112211363 *(Sep.)*

★ **Neeraj Jain** (Divorsed) S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 07.04.1978 (at Alwar), Height- 5'-6", Colour Fair, Education B.Com., Diploma in English Stenography From Govt. I.T.I. Computer Diploma, Profession- Govt. Service (Account Asst.) Management, Pusa, New Delhi (Under Ministry of Tourism), Salary 6.50 LPA, Gotra : Self- Aameshwari, Mama- Barwasia, Contact : RZ-A1/49, Vijay Enclave, Palam, Dabri Road, Opp. Sect.-1a, Dwarka, Near Dashrath Puri Metro Station, New Delhi-110045, Mob.: 8076561407 *(Sep.)*

★ **Pankaj Kumar Jain** S/o Sh. Shant Kumar Jain, DoB 10.02.1989 (at 1:15 am, Agra), Height 5'-8", Educational- M.Com. (Bussiness Administration) & B.Ed., (Primary UP TET Qualify - 2011) Job- Decmore Panels Ltd., Agra, Singhai Pulverising Works, Agra, Designation- Senior Accounts Operation, Salary- 3.7 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Rajoria, Contact : Village & Post Barara, Dist. Agra-283102, Mob.: 9001935032, 6367465225, 9997054342, Email : vivekjain032@gmail.com, : pankajjain0555@gmail.com *(Sep.)*

★ **CA Dhiraj Jain** S/o Sh. Mahavir Jain, DoB 26.12.1991 (at 1:46 am, Jaipur), Height 5'-4", Occupation- Finance Manager C.P.S., Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Amia, Contact : Jaipur Road, Alwar, Mob.: 8094509540, 9460220974, Email : ca.parul26@gmail.com *(Sep.)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 28.04.1993 (at 11:45 am, Naugaon), Height 163 cms., Education- B.Tech., Occupation- Associate Professor (IITIANS Pace), Package- 18.66 LPA, Gotra : Self- Sagarvashiya, Mama- Kher, Contact : Kapoor Niketan, Naugaon, Alwar, Mob.: 9588885656, 9828745429 *(Sep.)*

★ **Anuj Jain** S/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 26.09.1989 (at 05:30 pm, Agra), Height 5'-10", Education- B.Com., Occupation- Maruti E- Business Center, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Athvarsiya, Contact : 9893531555 *(Sep.)*

★ **Anshul Jain** S/o Sh. Pushpendra Jain, DoB 14.03.1994 (at 09:12 am, Agra), Fair Complexion, Height 5'-11", Education- B.Com., Occupation- Business- Stationery & Ready Made Store, Gotra : Self- Salawadia, Mama- Maimuda, Contact : Jain General Store, Midhakur, Agra-283105, Mob.: 9410006648, 8445463430 *(Sep.)*

★ **Ankush Jain** S/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 13.07.1990, Job- Rajya Bhasha Officer (Scale-1st) Raipur (Chhatisgarh), Gotra : Self- Janutharia, Mama- Maleshwari, Contact : 8006593560 *(Sep.)*

★ **Rishi Jain** S/o Sh. Prawal Kumar Jain, DoB 22.01.1991 (at 01:03 pm), Fair Complexion, Height 5'-7", Education- B.Com., Occupation- Printing Press & Xerox Shop, Gotra : Self- Budherwal, Mama- Maimuda, Contact : 91/60, Sarugyan, Karhal Road, Mainpuri-205001 (U.P.), Mob.: 8218887103, 9634425990 *(Sep.)*

* * * * *

ध्यान रहे आप भी वृद्ध होंगे

वृद्धावस्था जीवन की एक स्वाभाविक एवं अनिवार्य अवस्था है जो जीवित रहेगा, वह आयु के अनुसार वृद्धावस्था को अवश्य प्राप्त करेगा। इस अवस्था में उत्साह का आवेग, शारीरिक स्वास्थ्य आदि शिथिल होना स्वाभाविक है। वृद्धों से परिश्रम कराने की अपेक्षा करना, प्राकृति व्यवस्था के विरुद्ध है। परन्तु वे सर्वथा निरूपयोगी नहीं होते। अपितु अपने समृद्धशील अनुभवों, सुदीर्घ, व्यापक अन्तरदृष्टि, व्यवहारिक कुशलता के बल पर वे परिवार के लिए अत्यन्त उपयोगी सदस्य होते हैं। उनकी उपेक्षा का मतलब है जीवन में उपयोगी विविध ज्ञान अनुभवों की उपेक्षा।

बूढ़ी सास घर में रहती है तो बहू को सहारे का अनुभव होता है। अपने दैनिक कामों में उसे निश्चिन्तता बनी रहती है। बच्चों की छोटी–मोटी बीमारी में युवा माँ के हाथ–पांव फूलने लगते हैं उस समय अनुभवी वृद्ध सास धैर्य बंधाती है, उपाय बताती है एवं रास्ता बताती है। बूढ़े पिता घर में हो तो अतिथियों के स्वागत–सत्कार, शिष्टाचार के समुचित निर्वाह तथा अन्य घरेलू कार्यों के प्रति पुत्र भी निश्चिन्त रहता है। घर की चौकसी जितनी सजगता से वृद्ध करते हैं, युवक नहीं। घर के एक–एक समान पर उनकी निगाह रहती है। मितव्ययिता, शिष्टता, व्यवस्था सबके निर्वाह के बारे में वे ढ़ेर सारे सुझाव दे सकते हैं।

प्रत्येक संतान को यह सदैव स्मरण रखना चाहिए कि उन्हीं के लिए जी तोड़ मेहनत करते हुए, उन्हीं की सुरक्षा, विकास एवं सुव्यवस्था के लिए प्रयासरत रहते हुए तथा उस आपाधापी से उत्पन्न मानसिक तनावों, शारीरिक दबावों को झेलते हुए और स्वयं की जरूरतों को विस्मृत किए होने से वे रोग ग्रस्त हो गये हैं। ऐसे में उनके द्वारा उपार्जित एवं प्रदत्त सुविधाओं को भोगते हुए, उनकी सेवा सुश्रुषा न करना, कृतघ्नता, अनैतिकता एवं क्रूरता है।

जो कभी घर का मालिक था जो कभी अपने बच्चों को इतना ही प्यार करता था जितना आज आप कर रहे है जिसके आदेश के पालन के लिए सारा घर पलक पांवड़े बिछाये रहता था, आज उसी को परिवार के लिए भार मान बैठना तो संकीर्ण स्वार्थपरता की पराकाष्ठा है। जिसने जीवन भर परिवार के लिए अपने समय, श्रम एवं मनोयोग का कण–कण, अणु–अणु विनियोजित किया, समर्पित किया, आज इस घोर उपेक्षा के कारण यदि उसे अपने सम्पूर्ण उद्योग निरर्थक जान पड़ने लगा, तो इसका सामाजिक धारणा पर कितना गहरा असर पड़ेगा यह विचारशील लोग अनुमान कर सकते हैं क्योंकि समाज में प्रत्येक परम्परा के पीछे सुदीर्घ अनुभवों की शृंखला विद्यमान रहा करती है।

यदि दो तीन पीढ़ी तक निरंतर हर वृद्ध को अपने जीवन में परिवार पोषण हेतु किए गये प्रयासों को निस्सारता की अनुभूति होती रही, तो इसके प्रभाव सामाजिक अवचेतन मन पर पड़ना अवश्यंभावी है और कुछ पीढ़ियों बाद कोई भी समर्थ वयस्क परिवार के लिए खटने–खपने से कतराने लगेगा। इस प्रकार सामाजिक व्यवस्था एवं परिवार की अवधारणा, दोनों को ही जबरदस्त धक्का लगेगा।

जो लोग सभ्यता के उफान के चक्कर में पड़कर अपने वृद्धों को अपने मनमौज जीवन के लिए भारभूत समझने लगे हैं और उनके लिए भोजन की व्यवस्था कर देने भर को बहुत उपकार मानते हैं, उनके सुख–दुख को, भावनात्मक उतार–चढ़ाव को समझने की चिन्ता ही नहीं करते, उन्हें यह समझ लेना चाहिये कि इस प्रकार वे सामाजिक संवाद की स्थिति समाप्त कर रहे हैं। आज उन्हें यदि उन वृद्धों की चिंता नहीं, जो उनके मौज भरे जीवन में उपयोगी नहीं हैं, तो समाज के अन्य लोगों को भी स्वयं उनकी चिन्ता न होगी जिनके लिए वे प्रत्यक्षतः किसी उपयोग के नहीं। वैयक्तिक्ता की अतिवादी भावना के प्रसार के क्या परिणाम होते हैं यह देखना हो तो आज चारों ओर फैल रहे आर्थिक सामाजिक सुरक्षा सेवाओं के क्षेत्र में पनप रही दायित्वहीनता की भावनाओं को देखा जा सकता है।

पश्चिमी देशों में वृद्धों को जिस दुस्सह मानसिक यंत्रणा से गुजरना पड़ रहा है उसका स्मरण करना चाहिए। आज वहां वृद्धजन एकाकीपन की पीड़ा से व्यथित रहते हैं और हताशा के शिकार बनते हैं वृद्धजन वहां अपनी अलग सामूहिक बस्तियां बना रहे हैं। अपने यहां तो औसत वृद्धों के पास ये साधन–सुविधाएं नहीं। शासकीय सेवकों को तो सेवानिवृति के उपरान्त पेन्शन मिल जाती है पर शेष विशाल वर्ग के पास तो ये सुविधाएं भी नहीं। उसे दैन्य और दारूण्य यंत्रण से गुजरना पड़ेगा उस अपराध का फल समाज को अवश्य भोगना पड़ेगा।

यों पश्चिम में भी जहां वृद्धजनों की बस्तियों में मनोरंजन और सक्रियता के समस्त साधन सहज उपलब्ध हैं। वहां टहलने और आराम करने के लिए सुन्दर पार्क है। अध्ययन के लिए पुस्तकालय–वाचनालय है। मनोरंजन गृह भी है वहां भी उसे यह मानसिक व्यथा तो सालती ही है कि जिन बेटे–बेटियों के लिए जीवन पूरा खपा दिया, वे ही अब किनारा काट कर रह रहे हैं। वहां का संवेदनशील युवा वर्ग ने वृद्धों की व्यथा को समझा भी है और अब वहां पुनः ऐसे प्रयोग चल रहे हैं कि जिनमें वृद्धों से भावनात्मक पारिवारिक संबंध बनाए जाते हैं। अपरिचित युवक–युवती अपरिचित वृद्धों से छोटे–भाई बहिन का संबंध बनाते हैं। सप्ताह में एक दिन मिलते हैं, साथ रहने घूमते उत्सवों में बुलाते और अन्य तरह से भावनात्मक घनिष्ठता बढ़ाते हैं। क्यों हमें भी घूम फिर कर वहीं पहुंचने तक भटकते रहना उचित है? दूसरों की भूलों से क्या कुछ सीखना नहीं चाहिए? अपने देश में जब पहले से ही परिवार की धारणा वृद्धमूल है कि उसमें माता–पिता का समावेश होता है; तब क्यों न उस ढ़ांचे की उपयोगिता का समझकर उसे बनाए रखे, बिखरने न दें।

जहां तक तर्क है वृद्धों की रुचियाँ भिन्न है, यह रुचि वैविध्य परिवार के वयस्क सदस्यों में भी होता ही है।

फिर सबसे बढ़कर बात यह होती है कि आज अपनी संकीर्ण दृष्टि के कारण जो लोग अपने वृद्ध माता–पिता की उपेक्षा कर रहे हैं वे भी कल वृद्ध अवश्य होंगे। तब उनके साथ भी वही व्यवहार होगा जिसकी वे नींव डाल रहे हैं नींव भर रहे है। इसलिए वृद्धों के साथ यह व्यवहार न करें जो कल आपको अपने साथ अच्छा न लगे।

–पारसमल जैन (IAF)
6P/530, KBHB, जोधपुर

14वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. इ. श्री पारसमल जी जैन
(ब्यावर वाले)
स्वर्गवास : 29 सितम्बर 2006

अक्सर याद आकर रूला जाते हैं
गुजरने के बाद, लवों पर रहकर
किस्से बन जाते हैं, घुलकर जहन में तड़पाते हैं

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना, धर्म के प्रति आस्था, हमारी स्मृति में सदा रहेगी एवं सदैव हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी। हम सब परिवारजन आपको शत्-शत् नमन करते हुये अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
डॉ. गौरव जैन *(बैंक ऑफ बड़ौदा)*
-शालिनी जैन

श्रीमती सन्तोष जैन
(धर्मपत्नी)

पुत्री-दामाद :
भावना जैन-इ. कुलदीप जैन (भीलवाड़ा)
डॉ. कविता जैन-संदीप जैन (कोटा)

पोता- नव्य, ***पोती***- रिषिता, ***नाती***- श्रेयांस, भव्यदीप, ***नातिन***- सोनल, राशी, सौम्या

विशेष श्रद्धावान : साले सा. सतीश, समीर, मिक्की, डॉ. शेखर, राजेश जैन

निवास : 'जय-पारस', 102/117, मीरा मार्ग मन्दिर के पास, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर-302020
मोबा.: 9352773740, 9314073740, 7014336410, 9414873740

(CR D-2126)

पूज्य पिताजी एवं पूज्य माताजी की

पुण्य स्मृति में

स्व. श्री अमीर चन्द्र जी जैन *(कपड़े वाले)*
(स्वर्गवास 07-06-2009)

स्व. श्रीमती अशर्फी देवी जी जैन
(स्वर्गवास 16-10-2002)

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
विनोद कुमार जैन-सुधा जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
निशान्त जैन (M.S.)-साक्षी जैन

पौत्री-दामाद :
मीनाक्षी-गौरव जैन
तनूजा जैन (SAP Cloud Consultant)
पड़पौत्री : रोशिका जैन

प्रतिष्ठान :
जैन अमीर टैक्सटाइल
(जैन्ट्स क्लोथ डीलर)
रेमण्ड, रीड एण्ड टेलर एवं उच्च कोटि के सूटिंग-शर्टिंग

Residence :
406, Nai Basti, Sant Talkies Road,
Firozabad-283203

(M) 9412160859, 7060443607

Shop :
47, Chandra Shekar Market
Sadar Bazar, Firozabad-283203

KOTSONS

POWER & DISTRIBUTION

TRANSFORMERS

Export Award Winners

ACHIEVED **100%** GROWTH IN A SINGLE YEAR

KOTSONS PVT. LTD.

(AN ISO 9001 : 2008 & ISO 14001 : 2004 CERTIFIED COMPANY)
C-21, U.P.S.I.D.C., SITE- C, SIKANDRA,
AGRA - 282007 (U.P.) INDIA
Tel. : +91-562-3641818, 2641422
Fax : +91-562-2642059
e-mail : kotsons@kotsons.com
website : www.kotsons.com
Work at : Agra, Alwar & Uttaranchal

DNV

Accredited by the RvA

ISO 9001 QUALITY CERTIFIED
CERTIFICATE No. QSC-3360

RNI NO. RAJHIN/2012/47438 Postal Registration No. JAIPUR CITY/434/2019-21

RERA Registration No.
RAJ/P/2019/1054
www.rera.rajasthan.gov.in

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl
FORTUNE
3 BHK Boutique Apartments

Your perfect home is now
at a landmark address.

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति द्वारा
दि. 13 अक्टूबर 2019 को

भूमि पूजन, भामाशाह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

के आयोजन पर हार्दिक शुभकामनाऐं

16 Smart Home 3 BHK Vastu Friendly | Site : B-138, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, jaipur - 302001. INDIA, Ph.: +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010092

2 Decades of Excellence | 3600 Villas + Plots | More than 500 Apartments | 22 'Pearl' Tower | 6 Townships

PRINTED MATTER
If Undelievered, please return to
श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी होटल क्लार्क,
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी - अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।